सप्तमी पूजा आज

28 सितंबर 2025

रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा का फर्जी शिक्षक, बना डीईओ कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

ईडी ने जब्त कीं 155 करोड़ की अचल संपत्तियां

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत एक्शन लेते हुए 155 करोड़ की अचल संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, उसकी संबंधित कंपनियों, फर्मों और सैयद जियाजुर रहमान सहित अन्य व्यक्तियों के खिलाफ चल रही जांच में ये कार्रवाई की। इस सिलसिले में 155 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 212 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियों में पश्चिम बंगाल

और अन्य राज्यों के कई जिलों में स्थित भूमि, अपार्टमेंट, होटल, रिसॉर्ट और फैक्ट्री प्लॉट शामिल हैं। जांच के दौरान यह पता चला कि ये संपत्तियां निवेशकों से 1600 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी से जुटाई गई रकम से खरीदी गई थीं। निवेशकों को आरोपियों के नियंत्रण वाली विभिन्न कंपनियों की ओर से उनके निवेश पर 2-3 फीसदी का गारंटीड मासिक रिटर्न देने का झूठा वादा करके ठगा गया था। पश्चिम बंगाल पुलिस ने आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एलएफएस ब्रोकिंग, सैयद जियाजुर रहमान और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। इसके अलावा, गुजरात, ओडिशा और महाराष्ट्र राज्यों में भी सैयद जियाजुर रहमान और एलएफएस ग्रुप के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए गए हैं। ईडी की जांच में पता चला कि सैयद जियाजुर रहमान, दिलीप कुमार मैती, मोहम्मद अनारुल इस्लाम और उनके साथियों ने सेबी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट में हेरफेर करके अवैध निवेश योजनाएं चलाईं और निवेशकों को 2-3 फीसदी का गारंटीड मासिक रिटर्न देने के नाम पर उनके फंड को इकट्ठा करने और दूसरी जगह भेजने के लिए कई कंपनियों का जाल बनाया। आरोपियों ने शेयर ब्रोकिंग और अन्य निवेश गतिविधियों के लिए सेबी में रजिस्टर्ड एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम पर यह अवैध कारोबार चलाया। उन्होंने जानबूझकर एलएफएस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम जैसी ही कई अन्य फर्में बनाईं। निवेशकों को यह विश्वास दिलाया गया कि वे सेबी में रजिस्टर्ड कंपनी में निवेश कर रहे हैं, जबकि असल में फंड एलएफएस ब्रोकिंग और पीएमएस सर्विसेज जैसी इसी तरह के नाम वाली फर्मों में भेजा जाता था। इससे पहले, इस मामले में ईडी ने मुख्य आरोपी सैयद जियाजुर रहमान सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए लोग फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इसके अलावा, इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ कोलकाता की विशेष अदालत में एक अभियोग याचिका भी दायर की गई है। ईडी की टीम ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में कार्रवाई करते हुए 155 करोड़ की अचल संपत्ति को जब्त किया है। ये एक्शन पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के कई जिलों में किया गया है।

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन का मुख्य विस्फोटक नियंत्रक गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ), नवी मुंबई के संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक राजेंद्र रावत को गिरफ्तार किया है। इनके साथ ही राहुल बचते नाम के एक निजी व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। सीबीआई ने 9 लाख रुपये की रिश्वत का राज खोल दिया है। सीबीआई ने निजी सलाहकारों और एजेंटों के साथ मिलकर संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा कथित तौर पर बड़े पैमाने पर किए गए भ्रष्टाचार के बारे में सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के आधार पर, सीबीआई द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक जाल बिछाया गया। इस कार्रवाई के दौरान, एक निजी व्यक्ति को आरोपी अधिकारी के आवास पर एक पैकेज पहुंचाते हुए पकड़ा गया है। पूछताछ करने पर, आरोपी (निजी व्यक्ति) ने आरोपी अधिकारी की पत्नी को 9 लाख रुपये की रिश्वत देने की बात कबूल की। उक्त राशि के साथ-साथ 7.5 लाख रुपये की अतिरिक्त बेहिसाबी नकदी भी परिसर से बरामद की गई, जिसका स्रोत स्पष्ट नहीं हो सका। दोनों राशियां जब्त कर ली गईं। इसके अलावा, आरोपी अधिकारी के कार्यालय की तलाशी के दौरान, एक अन्य एजेंट ने अवैध रिश्वत के रूप में 8 लाख रुपये लाने की बात स्वीकार की। यह नकदी उसके वाहन से बरामद की गई।

पीएम ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरूआत की

अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में भगदड़, 31 लोगों की मौत

एजेंसी। करूर

तमिलनाडु के करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की रैली के दौरान भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। जिसमें 31 लोगों की मौत की आशंका है और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। विजय ने भाषण बीच में रोककर पुलिस को तत्काल सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटना पर चिंता जताई और अधिकारियों को पीड़ितों को प्राथमिक उपचार और मदद प्रदान करने के निर्देश दिए। तमिलनाडु के करूर में शनिवार को तमिलगा वेट्री कजगम प्रमुख और अभिनेता-से-राजनेता बने विजय की रैली के दौरान भारी भगदड़ मच गई। जिसमें 31 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। विजय के रोड शो को देखने के लिए लाखों समर्थक जुटे थे। जिससे भीड़ बेकाबू हो गई और अफरातफरी का माहौल बन गया. बताया जा रहा है कि विजय के समर्थक रैली स्थल पर उनके पहुंचने का छह घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करते रहे। जैसे ही विजय मंच पर पहुंचे, लोगों में उन्हें देखने की होड़ मच गई। जिससे हालात बेकाबू हो गए और भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, 20 से अधिक लोग बेहोश होकर गिर पड़े। इनमें बच्चे भी शामिल थे। सभी को मौके पर प्राथमिक चिकित्सा दी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विजय ने अपना भाषण बीच में ही रोक दिया और मंच से ही पुलिस को निर्देश दिया कि पानी और तत्काल चिकित्सीय सहायता लोगों को उपलब्ध कराई जाए। रैली से जुड़े वीडियो में दिखा कि विजय ने हालात को संभालने के लिए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जताई चिंता

घटना पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तुरंत संज्ञान लिया और इसे चिंताजनक करार दिया. उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि जो भी लोग भीड़भाड़ के कारण बेहोश हुए हैं। उन्हें तुरंत चिकित्सा सुविधा दी जाए। साथ ही, उन्होंने पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और मा. सुब्रमणियन को करूर भेजा। ताकि स्थिति का जायजा लिया जा सके और आवश्यक कदम उठाए जा सकें। मुख्यमंत्री ने कि करूर से आ रही खबरें चिंताजनक हैं। मैंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए।

पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता या अव्यवस्थित प्रबंधन

यह घटना विजय की पार्टी टीवीएस की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है। लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में सुरक्षा प्रबंध पूरी तरह विफल रहे। समर्थकों का हुजूम विजय को देखने के लिए इतना अधीर था कि मंच तक पहुंचने की कोशिश में भगदड़ मच गई। यह घटना तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा सवाल खड़ा करती है क्या लोकप्रियता को सही ढंग से प्रबंधित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं, या फिर राजनीतिक शो ऑफ में आम जनता की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है।

असम राइफल्स ने हथियार सामग्री समेत म्यांमार के तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी। मिजोरम

भारत-म्यांमार सीमा के नजदीक तुइपांग में असम राइफल्स को बड़ी सफलता मिली है। असम राइफल्स ने खुफिया जानकारी के आदार पर हथियार जैसी सामग्री, तस्करी का सामान और तीन म्यांमार तस्करों को गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक हथियार जैसी सामग्री (वार-लाइक स्टोर्स) और तस्करी के सामान की ढुलाई की खुफिया सूचना पर असम राइफल्स ने तुइपांगहजावंगलिंग मार्ग पर मोबाइल वाहन चेक पोस्ट (एमवीसीपी) लगाया। इस तलाशी के दौरान टीम ने तीन केनबो

बाइक रोकीं। इनमें सवार तीन म्यांमार नागरिकों के पास से 580 राउंड 12 गेज शॉटगन कारतूस, छह प्रिसीजन एयर राइफल, एक इल्यूमिनेटेड ऑप्टिकल स्कोप और 15,000 राउंड 4.5 एमएम एयर पेलेट्स बरामद हुए। इसके अलावा 3.5 किलो सुपारी, 150 डिब्बे तंबाकू, दो बोतल स्थानीय रम, सिलिकॉन

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन का मुख्य विस्फोटक नियंत्रक गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ), नवी मुंबई के संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक राजेंद्र रावत को गिरफ्तार किया है। इनके साथ ही राहुल बचते नाम के एक निजी व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। सीबीआई ने 9 लाख रुपये की रिश्वत का राज खोल दिया है। सीबीआई ने निजी सलाहकारों और एजेंटों के साथ मिलकर संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा कथित तौर पर बड़े पैमाने पर किए गए भ्रष्टाचार के बारे में सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के आधार पर, सीबीआई द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक जाल बिछाया गया। इस कार्रवाई के दौरान, एक निजी व्यक्ति को आरोपी अधिकारी के आवास पर एक पैकेज पहुंचाते हुए पकड़ा गया है। पूछताछ करने पर, आरोपी (निजी व्यक्ति) ने आरोपी अधिकारी की पत्नी को 9 लाख रुपये की रिश्वत देने की बात कबूल की। उक्त राशि के साथ-साथ 7.5 लाख रुपये की अतिरिक्त बेहिसाबी नकदी भी परिसर से बरामद की गई, जिसका स्रोत स्पष्ट नहीं हो सका। दोनों राशियां जब्त कर ली गईं। इसके अलावा, आरोपी अधिकारी के कार्यालय की तलाशी के दौरान, एक अन्य एजेंट ने अवैध रिश्वत के रूप में 8 लाख रुपये लाने की बात स्वीकार की। यह नकदी उसके वाहन से बरामद की गई।

स्वदेशी नेटवर्क से देश को मिलेगा फास्ट इंटरनेट

प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया बीएसएनएल का 4 जी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का शुभारंभ किया। इसे भविष्य में आसानी से 5ळ में अपग्रेड किया जा सकेगा। यह भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी सफलता है। इस नए 4जी नेटवर्क के जरिए देश के कोने-कोने तक तेज और विश्वसनीय इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। बीएसएनएल का 4जी नेटवर्क

98,000 साइट्स पर रोलआउट किया गया है। इस नेटवर्क की सबसे खास बात यह है कि इसे पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है और इसे इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि भविष्य में इसे आसानी से 5जी में अपग्रेड किया जा सकता है। भारत अब उन शीर्ष 5 देशों में शामिल होगा जो स्वयं के टेलीकॉम उपकरणों का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह नेटवर्क भारत के हर कोने में विश्वस्तरीय दूरसंचार सेवाएं लेकर आएगा। बीएसएनएल ने अपनी उपलब्धि को साझा करते हुए कहा है कि यह सिर्फ तेज इंटरनेट नहीं है, बल्कि नई आशा, नए अवसर और नया भारत है। बीएसएनएल का 4जी नेटवर्क भारत में निर्मित और स्वामित्व वाला है जो देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाएगा। बीएसएनएल 4जी स्टैक आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में एक बड़ी सफलता है। इससे न केवल भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी, बल्कि तकनीकी क्षेत्र में भी मजबूती आएगी।

दशहरा पर्व में श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने और असमाजिम तत्वों पर निगाह रखने के लिये बनेगा 6 वॉच टॉवर

- वॉच टॉवर पर मेडिकल, अग्निशमन, सीसीटीवी टीम के साथ नप कर्मी और दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे

केटी न्यूज, डुमरांव

दशहरा पर्व को लेकर नगर परिषद के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की टीम काफी सतर्कता बरत रही है। एसडीओ राकेश कुमार के आदेश के आलोक में नगर में वॉच टॉवर बनाने, बड़े वाहनों के रोक के लिये बैरियर बनाने और उस पर ड्यूटी लगाने के लिये टीम का गठन किया जाएगा। नप ईओ एस दूबे ने बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह को सारी जिम्मेवारी सौंप दिया है। जिम्मेवारी मिलते ही बड़ाबाबू ने वॉच टॉवरों और बैरिकेटिंग के लिये स्थल के लिये शनिवार को पूरे दिन निरीक्षण करते हुए चयन कर उसकी स्वीकृति ले लिया है। वॉच टॉवर पर नप कर्मी के साथ पुलिस अधिकारी, दंडाधिकारी, सीसीटीवी कैमरा टीम, मेडिकल और अग्निशमन टीम मौजूद रहेगी। इसकी मॉनीटरिंग के लिये जिला और पखंड स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। वॉच टॉवरों में नगर के विस्तारित क्षेत्र नया और पुराना भोजपुर को भी शामिल किया गया है। वॉच टॉवर के पास पेयजल की व्यवस्था भी मौजूद रहेगी। श्रद्धालु या अन्य कोई मुसीबत में पड़ता है तो वॉच टॉवर पर जाकर अपनी शिकायत कर सकता है, उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

वॉच टॉवरों के लिये स्वीकृत स्थलों में राज अस्पताल मोड़ जो नगर का हॉट स्पॉट माना जाता है। यहीं से गोला रोड, शहीद गेट, चौक रोड, राजगढ़ चौक, छठिया पोखरा, अनुमंडल कार्यालय और अनुमंडल अस्पताल जाया जाता है। इसी के बगल से सफाखाना रोड निकलता है, जिसके सहारे ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारी से लेकर मां के दर्शन करने के लिये लोगों की भीड़ जमा रहती है। यहां टॉवर बनने से लोगों में काफी खुशी है। दूसरा वॉच टॉवर एसबीआई बैंक के पास, राजगढ़ चौक, शक्तिद्वार के साथ नया और पुराना भोजपुर चौक पर बनेगा। उन्होंने बताया की टॉवर के पास सुविधाओं में शिकायत दर्ज, सब पर नजर रखने के लिये सीसीटीवी कैमरा के साथ वीडीओ ग्राफर मौजूद रहेंगे। इसकी मॉनीटरिंग चौबीस घंटे की जाएगी। वहीं बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक के लिये बैरियर लगाया जाएगा। जहां बैरियर लगेगा पुलिस टीम, दंडाधिकारी के साथ नप कर्मी मौजूद रहेंगे। बैरियर लगाने के लिये चयनित स्थलों में टेढ़की पुल, ईदगाह मोड़, सफाखाना रोड मोड़, छठिया पोखरा, शक्तिद्वार के साथ ही अनुमंडल कार्यालय मोड़ के पास लगाया जाएगा। बेरियर के पास भी सारी सुविधाए मोजूद रहेंगी, यहां भी अपनी शिकायत कोई श्रद्धालु दर्ज कर सकता है। प्रशासन द्वारा दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं और लोगों को सुरक्षित रखने के लिये सख्त व्यवस्था किये जाने से लोगों में खुशी व्याप्त है। मूर्ति विसर्जन के लिये भी छठिया पोखरा पर सारी तैयारी के लिये अभी से काम शुरू कर दिया गया है।

खेल के दौरान हादसा : दीवार गिरने से मासूम की मौत, तीन घायल

बक्सर। नगर के शांति नगर मोहल्ले में शनिवार की शाम मासूम बच्चियों के साथ बड़ा हादसा हो गया। घर के बाहर खेल रही चार बच्चियां अचानक गिरी जर्जर दीवार की चपेट में आ गईं। हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शांतिनगर मोहल्ले में स्थित एक पुरानी दीवार काफी समय से जर्जर हालत में खड़ी थी। उसी दीवार के पास स्व. रंजित साह की पुत्री शिवानी कुमारी, प्रिया कुमारी, लालबाबू शाह की पुत्री सोनी कुमारी और शिव कुमार की पुत्री नेहा कुमारी खेल रही थीं। अचानक दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर पड़ी। स्थानीय लोगों ने तुरंत मलबा हटाकर बच्चियों को अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने नेहा कुमारी को मृत घोषित कर दिया इस हादसे से इलाके में मातम पसर गया है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, मोहल्लेवासियों में आक्रोश गहरा गया है।

बोले जिलाधिकारी सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, चप्पे-चप्पे पर रहेगी नजर

दशहरा पर्व पर रहेंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम डीएम-एसपी ने अधिकारियों को दी कड़ी हिदायत

केटी न्यूज/बक्सर

दशहरा पर्व 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। शनिवार को नगर भवन बक्सर में जिला दण्डाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से दण्डाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों की ब्रीफिंग कर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी गई कि किसी भी हालत में सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने या साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जुलूस जिन मार्गों से गुजरेगा, वहां प्रतिनियुक्त अधिकारियों को लाइसेंस की शर्तें, समय और मार्ग की पूरी जानकारी रखने का निर्देश दिया गया है। पर्व के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सभी थानाध्यक्षों को डीजे संचालकों की सूची तैयार कर उनसे बंधपत्र लेने को कहा गया है कि त्योहार में डीजे का प्रयोग नहीं करेंगे।

पंडालों में सीसीटीवी और बिजली व्यवस्था

बक्सर और डुमरांव अनुमंडल के सभी पूजा समितियों को सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया है। बिजली विभाग को पंडालों के अवैध कनेक्शन की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने को कहा गया है। साथ ही सभी कनेक्शनों का सुरक्षा प्रमाण पत्र संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को देना अनिवार्य होगा। विभाग को 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और लटके तारों की मरम्मती का भी आदेश दिया गया है।

साफ-सफाई, रोशनी और पेयजल की व्यवस्था

नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारियों को पूरे दुगार्पूजा के दौरान शहर की सड़कों, गलियों में साफ-सफाई और रोशनी की व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया गया है। लोक स्वास्थ्य विभाग को पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने के निर्देश दिए गए ताकि श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई न हो।

यातायात और ड्रॉप गेट

पर्व के दौरान सुगम यातायात संचालन के लिए 28 सितम्बर तक ट्रैफिक योजना तैयार कर डीएम को सौंपने का निर्देश दिया गया है। बक्सर जिले में कुल 18 स्थलों पर ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक बड़े वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा।

आपातकालीन इंतजाम

अग्निशमन विभाग को सभी गाड़ियों को तैयार हालत में रखने और एक-एक वाहन बक्सर व डुमरांव थानों में तैनात करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग को सभी अस्पतालों और पीएचसी-सीएचसी में एम्बुलेंस, जीवन रक्षक दवाएं, चिकित्सक दल और आपातकालीन वार्ड सक्रिय रखने का आदेश मिला है। जिला नियंत्रण कक्ष भी समाहरणालय और डुमरांव अनुमंडल स्तर पर सक्रिय रहेगा।

सोशल मीडिया पर कड़ी नजर

सभी पदाधिकारियों को सोशल मीडिया की गतिविधियों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। किसी भी आपत्तिजनक टिप्पणी या अफवाह पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। साइबर थाना और साइबर सेनानी लगातार पर्यवेक्षण करेंगे।

बलों की तैनाती

बक्सर अनुमंडल क्षेत्र में 100 स्टैटिक दण्डाधिकारी व पुलिस बल, 13 गश्ती दल, 6 प्रभारी पदाधिकारी, 2 जोनल टीम और 10 क्यूआरटी की तैनाती होगी। वहीं डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में 103 स्टैटिक बल, 20 गश्ती दल, 3 प्रभारी पदाधिकारी और 6 क्यूआरटी लगाई जाएंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में ससमय मौजूद रहेंगे और लगातार पेट्रोलिंग करेंगे। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नियंत्रण कक्ष को सूचित कर स्थिति पर काबू पाना सुनिश्चित करेंगे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

मेहंदी और रंगोली से सजाया लोकतंत्र का संदेश, जीविका दीदियों ने चलाई अनोखी मुहिम

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान नई ऊर्जा और रौनक भर रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जीविका दीदियों ने गांव-गांव में अनोखे अंदाज में लोकतंत्र का संदेश दिया।

ग्रामीण परिवेश में महिलाओं और युवतियों ने मेहंदी और आकर्षक रंगोलियों के जरिये मतदान को लेकर जागरूकता फैलाई। दीदियों ने हाथों पर ईवीएम, मतदान चिह्न और शत प्रतिशत मतदान जैसे डिजाइन बनाकर लोकतंत्र की खूबसूरती को जीवंत किया। वहीं रंग-बिरंगी रंगोलियों पर पहले मतदान, फिर जलपान और मेरा वोट, मेरा अधिकार जैसे नारे लिखे गए, जिसने ग्रामीण माहौल को जीवंत कर दिया। इस दौरान जीविका समूह की महिलाओं ने जोशीले अंदाज में नारे लगाते हुए मतदाताओं से अपील की कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी लोग चुनाव के दिन मतदान केंद्र अवश्य पहुंचें। उन्होंने कहा कि मतदान सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। महिलाओं की इस पहल ने गांवों में उत्सव जैसा माहौल बना दिया। बच्चे, बुजुर्ग और युवतियां सभी इस कार्यक्रम में शामिल होकर मेहंदी और रंगोली की रचनात्मकता के साथ लोकतंत्र की शक्ति को महसूस करते नजर आए। जीविका दीदियों की यह अनोखी पहल जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देती दिख रही है।

बड़ी खबर : नहीं रहे डुमरांव महाराज चंद्रविजय सिंह, दिल्ली के अपोलो अस्पताल में ली अंतिम सांस, शहर में गहराया शोक

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव राजघराने के महाराज चंद्रविजय सिंह (78) का निधन हो गया है। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में शनिवार की शाम करीब सवा चार बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पुत्र शिवांग विजय सिंह व समृद्ध विजय सिंह के अलावे महारानी कनिका सिंह समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनके निधन की जानकारी मिलते ही डुमरांव में शोक की लहर दौड़ गई है। शहरवासी सहसा इस खबर पर विश्वास नहीं कर रहे थे, लेकिन सोसल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर उनके निधन की खबर तेजी से फैली। इसके बाद उनके शुभचिंतक समेत बड़ी संख्या में आम नागरिक शोक जताने भोजपुर कोठी तक पहुंचे। उनके परिवार के करीब अंबरीश पाठक ने बताया कि करीब चार-पांच दिन पहले वे दिल्ली में रेगुलर चेकअप के लिए गए थे, जहां वे डेंगू के शिकार हो गए तथा तेजी से उनका प्लेटलेट्स घटने लगा। इसके बाद स्वजनों ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सांस लेने में भी उन्हें तकलीफ हो रही थी। अपोलो अस्पताल के आईसीयू में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से शहर के बुद्धिजीवियों, गणमान्य लोगों व राजनैतिक तथा सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। लोगों ने उनके निधन को डुमरांव के लिए अपूरणीय क्षति बताया। बता दें कि चंद्रविजय सिंह अपनी बेबाकी व स्पष्टवादिता के लिए पूरे शहर के साथ ही जिलेभर में प्रसिद्ध थे। इसके अलावे उनकी सरलता व सहज अंदाज भी लोगों को खूब पसंद था। वे आजीवन अपनी मिट्टी से जुड़े रहे तथा आम लोगों से काफी आत्मीय लगाव से मिलते थे। यही नहीं वे बड़े मंचो से भी अपनी मातृभाषा भोजपुरी में ही बोलते थे। जिससे उनके प्रति लोगों में आकर्षण रहता था। गौरतलब हो कि वे इसके पहले प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात दे चुके थे, लेकिन इस बार डेंगू से हार गए।

डुमरांव में निकाली गई जुबली क्रूस की भव्य शोभायात्रा

- आस्था, एकता और भाईचारे का बना अद्भुत संगम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पुराना भोजपुर स्थित मिशन स्कूल में शनिवार को धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक एकता का अनोखा नजारा देखने को मिला। जुबली क्रूस के स्वागत में आयोजित विशेष कार्यक्रम के तहत मिशनरी समाज की अगुवाई में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

शोभायात्रा की अध्यक्षता मिशनरी समाज ने की और इसका नेतृत्व फादर भास्कर ने किया। हजारों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु एवं मिशनरी समाज से जुड़े लोग इसमें शामिल हुए। जैसे ही जुबली क्रूस नगर की सड़कों से गुजरा, जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों और तालियों से स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने भजन-प्रार्थनाओं के जरिए आस्था और विश्वास का संदेश फैलाया। फादर भास्कर ने संबोधन में कहा कि जुबली क्रूस केवल एक धार्मिक प्रतीक ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देने वाला माध्यम है। उन्होंने बताया कि इसे पुराना भोजपुर स्थित गिरजाघर में एक महीने के लिए स्थापित किया जाएगा। इस अवधि में प्रतिदिन विशेष प्रार्थना सभाएं होंगी और नगर की शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए सामूहिक प्रार्थनाएं की जाएंगी।

शोभायात्रा के मार्ग पर स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और प्रसाद की व्यवस्था कर सहयोग दिया। हर वर्ग और समुदाय के लोगों की भागीदारी ने यह संदेश दिया कि समाज में एकता और प्रेम ही सबसे बड़ा धर्म है। आयोजकों के मुताबिक, जुबली क्रूस की स्थापना से डुमरांव नगर में सकारात्मकता और शांति का नया वातावरण बनेगा।

नगरवासियों ने भी इस आयोजन को आस्था और सौहार्द का अद्भुत अवसर बताया। लोगों का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक विश्वास को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में भाईचारे और सहिष्णुता की नींव को भी गहराई प्रदान करते हैं।

भव्य शोभायात्रा और जुबली क्रूस की स्थापना ने डुमरांव में धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता की मिसाल कायम कर दी।

केले की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, भारी मात्रा में शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

- डुमरांव एसडीपीओ के निर्देश पर रामदास राय के डेरा पुलिस को मिली सफलता
- दो वाहनों से 1,148 लीटर विदेशी शराब बरामद, तस्करों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

शराब लदी पिकअप व मैजिक वैन

केटी न्यूज/सिमरी

अनुमंडल के रामदास राय के डेरा पुलिस को शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने को पकड़ी है, इसके साथ ही तीन तस्कर भी पुलिस गिरफ्त में आए है। पुलिस को यह सफलता डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार के निर्देश पर मिली है। एसडीपीओ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि जनेश्वर मिश्र सेतु के रास्ते दो वाहनों से शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। इस सूचना पर रामदास राय के डेरा पुलिस को सतर्क किया गया। मुश्तैद पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 864 लीटर और एक मैजिक वाहन से 284.04 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। कुल मिलाकर 1,148 लीटर शराब की यह खेप पकड़ी गई, जो तस्करों द्वारा दियारा इलाके के रास्ते सप्लाई की जा रही थी। खास बात यह रही कि पिकअप वाहन पर ऊपर से केले लादे गए थे ताकि पुलिस को लगे कि इस पिकअप वैन से फल की खेप जा रही है। हालांकि, पुलिस की सतर्कता और सटीक गुप्त सूचना ने तस्करों की इस चाल को नाकाम कर दिया। शनिवार को एसडीपीओ पोल्तस कुमार ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अभिषेक पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सफलता हासिल की। पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान पटना जिले के भोला यादव, आकाश कुमार सिंह और हरिओम कुमार शर्मा के रूप में हुई है। एसडीपीओ ने कहा कि त्योहार से पूर्व यह पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है क्योंकि दियारा क्षेत्र लंबे समय से शराब तस्करी का गढ़ माना जाता रहा है। तस्करों के नेटवर्क को चिन्हित करने और उनके अन्य सहयोगियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह से जुड़े कई और नाम सामने आएंगे। वहीं, स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि आगे भी इसी तरह की सख्ती से अवैध शराब कारोबार पर पूरी तरह रोक लगेगी। थानाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि चूंकि रामदास राय का डेरा थानाक्षेत्र यूपी बिहार सीमा से जुड़ा हुआ थाना है, ऐसे में पुलिस हरेक गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रख रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस चौबीसों घंटे मुस्तैदी से गश्त कर रही है और हरेक प्रकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध गतिविधि में संलिप्त किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर कड़ी से कड़ी कारवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग में बड़ा खेल: फर्जी शिक्षकों का मजबूत है नेटवर्क, डीईओ कार्यालय में जमी पैठ

राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा का फर्जी शिक्षक, बना डीईओ कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर

- 2013 से चल रहा फजीर्वाड़ा अब फिर सुर्खियों में, विक्रमादित्य प्रकरण ने खोला नया पन्ना

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर का जिला शिक्षा कार्यालय मानो फजीर्वाडे. व विवादों का अड्डा बन चुका है। हर दिन यहां से कोई न कोई नया कारनामा उजागर होता रहता है। जिससे न सिर्फ नियमों को ताक पर रखने की जानकारी मिलती है बल्कि कानून की नजर में अपराधी को ताज भी पहना दिया जाता है। ताजा मामला डीईओ कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर बनने वाले आदित्य रंजन का सामने आया है। चौसा प्रखंड के राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा में फर्जी तरीके से शिक्षक की नौकरी करता था तथा वर्ष 2013 में डीईओ के निर्देश पर चौसा प्रखंड के तत्कालीन बीईओ ने उस पर फजीर्वाड़े का एफआईआर भी दर्ज कराया था, लेकिन वह विभागीय सांट-गाठ से साक्ष्य को छिपा डीईओ कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर बन बैठा है। इससे शिक्षा विभाग की गोपनीयता तार-तार होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। यहां बता दें कि शिक्षा विभाग में सक्रिय तथाकथित माफिया भी ऐसे ही कर्मियों के सहारे अधिकारियों तक पर रौब गांठते है। जानकारों का कहना है कि यह अकेले आदित्य रंजन का मामला नहीं है, बल्कि राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा में जिन दो दर्जन के करीब शिक्षकों पर फजीर्वाड़ा करने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया गया था, उनमें कई के सगे संबंधी शिक्षा विभाग में जमें है। जिनके सहारे विभाग में लंबे समय से फजीर्वाड़ा का खेल जारी है। वहीं, जानकार बताते है कि उनकी मजबूत पैठ के आगे विभागीय अधिकारी जानते हुए भी मौन साधे रहते है।

अभी तक मुझे इस मामले की जानकारी नहीं थी। मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। मामले की जांच पूरी गंभीरता से कराई जाएगी। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। ऐसे फर्जी लोगों को संरक्षण देने वालों की भी जांच होगी तथा उनपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
संदीप रंजन, डीईओ, बक्सर

विक्रमादित्य प्रकरण ने खोला राज

बता दें कि राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा के सहायक शिक्षक विक्रमादित्य उर्फ विक्रमा राय के वेतन भुगतान विवाद के मामले ने कई पुराने पन्नों को खोलकर रख दिया है। कंप्यूटर ऑपरेटर आदित्य रंजन का मामला भी विक्रमादित्य प्रकरण के बाद ही सामने आया है। अब संदेह जताया जा रहा है कि इससे जुड़े कई और राज भी उजागर होंगे, जिससे शिक्षा विभाग में वर्षों से चल रहा भ्रष्टाचार और फजीर्वाड़ा सामने आ सकता है।

बीईओ ने 2013 में कराया था मुकदमा दर्ज

बता दें कि वर्ष 2013 में तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेश पर इटाढ़ी प्रखंड के बीईओ अजय कुमार सिंह ने इटाढ़ी थाना में आवेदन दिया था। इस आवेदन में आदित्य रंजन उर्फ सोनू सहित बीस फर्जी सहायक शिक्षकों और आदेशपाल पर जालसाजी व धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। बीईओ के आवेदन में स्पष्ट उल्लेख था कि इन लोगों ने फर्जी तरीके से सरकारी नौकरी हासिल की और राजकीय विद्यालयों में वर्षों तक सहायक शिक्षक व आदेशपाल बने रहे। तत्कालीन डीईओ ने प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश जारी किया था, जिसके आलोक में मामला दर्ज हुआ।

फर्जी से डाटा ऑपरेटर तक का सफर

कार्रवाई तेज हुई तो आरोपितों में से कई गायब हो गए, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि मुख्य आरोपितों में शामिल आदित्य रंजन उर्फ सोनू एक बार फिर से जिला शिक्षा कार्यालय में ही आ धमके। जानकारी के अनुसार, वे डीईओ कार्यालय में संविदा के आधार पर डाटा ऑपरेटर की नौकरी कर रहे हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि कार्यालय में आने वाले अधिकतर पत्र और फाइलों पर उनकी सीधी नजर रहती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जिस पर गंभीर आरोप थे, वही अब शिक्षा कार्यालय की नब्ज थामे बैठा है।

रिश्तेदार भी जमे हैं अहम पदों पर

सूत्र बताते हैं कि जिन बीस फर्जी सहायक शिक्षकों पर मुकदमा दर्ज हुआ था, उनमें से कई के रिश्तेदार आज भी जिला शिक्षा कार्यालय में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। यह पूरा नेटवर्क वर्षों से दफ्तर में जमे हुए हैं और फाइलों को दबाने या केस का रुख बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन्हीं रिश्तेदारों और अंदरूनी पैठ के कारण यह पूरा मामला धीरे-धीरे दफन होता चला गया। लेकिन विक्रमादित्य उर्फ विक्रमा राय के वेतन विवाद ने इसे एक बार फिर सतह पर ला दिया है।

विक्रमादित्य प्रकरण ने जगाई उम्मीद

विक्रमादित्य मामले में जब वेतन भुगतान पर सवाल उठा, तो अधिकारियों को पुराने केस की याद आई। अब यह संभावना जताई जा रही है कि यदि इस प्रकरण की गहन जांच हुई तो शिक्षा विभाग के भीतर गहराई तक फैले फजीर्वाड़े का सच सामने आ सकता है। विभागीय सूत्रों का मानना है कि यह सिर्फ एक-दो लोगों का खेल नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह की तरह वर्षों से शिक्षा कार्यालय को अपनी गिरफ्त में लिए हुए है।

भ्रष्टाचार की परतें खुलने की आस

जिला शिक्षा कार्यालय से जुड़े इन मामलों ने यह साफ कर दिया है कि शिक्षा विभाग में न केवल फर्जी नियुक्तियां हुईं, बल्कि उन्हें संरक्षण भी मिला। आरोपितों पर कार्रवाई के बजाय उन्हें कार्यालय में संविदा पर काम करने का अवसर मिला। वहीं, उनके रिश्तेदारों ने विभाग में पैठ बनाकर जांच और कार्रवाई को कमजोर किया। अब सवाल यह है कि क्या विक्रमादित्य प्रकरण इस गहरी जड़ें जमा चुके भ्रष्टाचार की परतें पूरी तरह उधेड़ पाएगा या यह मामला भी धीरे-धीरे दफन कर दिया जाएगा और विभाग में भ्रष्टाचार का खेल यूं ही चलते रहेगा।

एक नजर

डीजे पर रहेगा प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

डुमरांव। दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सद्भावपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को डुमरांव थाने में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) राकेश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए कई सख्त और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में डीएसपी पोलस्त कुमार, बीडीओ संदीप पांडेय, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दुबे, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, जेई मो. इम्तेयाज समेत अन्य अधिकारी, पूजा समिति के सदस्यगण, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि पूजन से लेकर प्रतिमा विसर्जन तक डीजे के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एसडीओ राकेश कुमार और डीएसपी पोलस्त कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या समिति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और डीजे उपकरण जब्त कर लिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए प्रशासन ने कई आवश्यक निर्देश दिए हैं। सभी पूजा पंडाल समितियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वे अपने पंडालों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था करें। इसके अतिरिक्त, संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करने का निर्देश भी दिया गया है। महिलाओं और पुरुषों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने सभी पंडालों पर महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया है। इसका उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और भगदड़ जैसी स्थिति को टालना है। प्रशासन ने सभी उपस्थित सदस्यों और पूजा समितियों को धार्मिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि पर्व के दौरान कोई भी व्यक्ति या समूह धार्मिक उन्माद फैलाने या किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला कार्य करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि आपसी सौहार्द बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। बैठक में विभिन्न पूजा पंडाल समितियों के प्रतिनिधियों ने अपनी स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को भी अधिकारियों के सामने रखा। इनमें बिजली, सफाई और सड़कों की मरम्मत जैसी जनसमस्याएं शामिल थीं। एसडीओ और ईओ ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सदर अस्पताल पर फिर उठा लापरवाही का आरोप, प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। शुक्रवार की रात इलाज के दौरान औद्योगिक थाना क्षेत्र के बड़की सरीमपुर गांव निवासी 23 वर्षीय पार्वती देवी की मौत हो गई। मृतका की तबीयत बिगड़ने पर समय रहते चिकित्सकीय मदद न मिलने का आरोप परिजनों ने लगाया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में करीब तीन घंटे तक जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को पार्वती देवी को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल लाया गया, जहां ऑपरेशन से बच्ची का जन्म हुआ। परिजनों का कहना है कि अगले दिन शाम को पार्वती की हालत अचानक बिगड़ने लगी, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. अनीता कुमारी समय पर नहीं पहुंचीं। इसी दौरान पार्वती की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग की।

स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख नगर, मुफस्सिल और इटाढ़ी थाना पुलिस के साथ ही बक्सर वीडियो दीपचंद जोशी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब सदर अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हों। इससे पहले जुलाई में वरुण गांव की छह वर्षीय साजल कुमारी की मौत भी इलाज में देरी और गलत इंजेक्शन लगाने के आरोपों के बीच हुई थी।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों से आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने सदर अस्पताल की व्यवस्था और जिम्मेदारी पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महावीर नगर से न्यायालय कर्मी की बाइक चोरी, प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/चौसा

क्षेत्र में बाइक चोरों की सक्रियता बढ़ गई है। यहां सक्रिय बाइक चोरों ने एक न्यायालयकर्मी की बाइक चुरा ली है। चोरी की यह वारदात मुफस्सिल थाना चौकी क्षेत्र के ईटाढ़ी रोड स्थित महावीर नगर में हुई है। चोरों ने घर के बाहर खड़ी बाइक पर हाथ साफ कर दिया है। पीड़ित ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार यूपी के बलिया जिले के हल्दी गांव निवासी शैलेश कुमार सिंह, जो बक्सर व्यवहार न्यायालय के उत्पाद न्यायालय में कर्मी हैं, महावीर नगर में किराए के मकान में रहते हैं। वे शुक्रवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद वापस अपने किराए के कमरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी लाल-काली रंग की हीरो एचएफ डीलक्स बाइक (नंबर यूपी 60 एपी 1595) घर के बाहर खड़ी कर अंदर चले गए थे। कुछ देर बाद जब वे बाहर आए तो देखा कि बाइक गायब है। आसपास काफी खोजबीन करने के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने थक-हारकर मुफस्सिल थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वस्थ नारी, सशक्त नारी अभियान के तहत डुमरांव में रक्तदान शिविर आयोजित

- बीडीओ समेत 15 लोगों ने किया रक्तदान, दिया समाजसेवा का संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरांव में शनिवार को ह्लस्वस्थ नारी, सशक्त नारीह्व कार्यक्रम के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई अधिकारियों, कर्मियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने का संदेश दिया। शिविर की शुरूआत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की देखरेख में हुई। रक्तदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। डुमरांव प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संदीप कुमार पांडेय और नगर परिषद के बड़ा बाबू दुर्गेश सिंह ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। इनके साथ कुल 15 लोगों ने रक्तदान कर समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो, साल में तीन बार रक्तदान कर सकता है। डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि रक्तदान न केवल जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी है, बल्कि दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने बताया कि यदि रक्तदान नहीं किया जाता है तो शरीर में अतिरिक्त रक्त गंदगी के रूप में शरीर से बाहर निकल जाता है, जबकि रक्तदान करने से शरीर सक्रिय रहता है और 24 घंटे के भीतर ही नया रक्त बन जाता है।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव मोहन गुप्ता, प्रभारी चिकित्सक डॉ. आर.बी. प्रसाद, मैनेजर अफरोज आलम, ब्लड बैंक से जुड़े संतोष कुमार सिंह, मुकेश कुमार, अनुराग कुमार और अजय राय सहित अस्पताल का पूरा स्टाफ सक्रिय रूप से मौजूद रहा। सभी ने मिलकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया और उन्हें धन्यवाद दिया।

रक्तदान शिविर में युवाओं की भी सराहनीय भागीदारी रही। स्थानीय लोगों ने इसे एक सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। बीडीओ ने कहा कि रक्तदान महादान है और हर सक्षम व्यक्ति को इस दिशा में आगे आना चाहिए।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलौथू में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रही परीक्षा

■ अफवाहों के बीच बच्चों ने दिया शिक्षा और अनुशासन का संदेश

केटी/न्यूज/रोहतास

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलौथू में इन दिनों परीक्षा का माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और अनुशासित बना हुआ है। विद्यालय परिसर में कहीं से भी किसी प्रकार की अनहोनी, अव्यवस्था या गड़बड़ी की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। छात्र-छात्राएँ पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अपनी परीक्षाओं में भाग ले रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तिलौथू के कुछ असामाजिक तत्व विद्यालय की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से निराधार और भ्रामक अफवाहें फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। विद्यालय प्रशासन ने ऐसे प्रयासों को निंदनीय बताते हुए स्पष्ट कहा है कि विद्यालय में परीक्षाएँ पूर्णतः निष्पक्ष, सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जा रही हैं। कुछ लोग समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी साजिश कभी सफल नहीं होगी। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने शांतिपूर्ण और अनुशासित व्यवहार से इन अफवाहों का करारा जवाब दिया है। परीक्षा के दौरान बच्चों ने बिना किसी व्यवधान के गंभीरता और एकाग्रता से प्रश्नपत्र हल किए। यह दृश्य इस बात का प्रतीक था कि हमारा लक्ष्य केवल शिक्षा है और हम अपने उज्ज्वल भविष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने है खुशी

कई ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने विद्यालय की व्यवस्था और वातावरण की प्रशंसा की है। उनका कहना है कि विद्यालय में शिक्षा के लिए पूर्णतः उपयुक्त माहौल है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ और हताशा में विद्यालय की साख को आघात पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। विद्यालय में पढ़ रही एक छात्रा के पिता नंदकिशोर सिंह ने कहा हमारे बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं और पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस विद्यालय की पहचान शिक्षा, अनुशासन और संस्कार से है, न कि अफवाहों से। उन्होंने आगे कहा कि पहले विद्यालय की राशि से कुछ लोगों का निजी खर्च चलता था, लेकिन नए प्रभारी के आने के बाद विद्यालय का वातावरण पारदर्शी और व्यवस्थित हो गया है। यही कारण है कि कुछ लोगों को आपत्ति हो रही है और वे माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।`स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति शिक्षा के इस मंदिर को बदनाम करने का दुस्साहस न कर सके।

उतरप्रदेश जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का आरा आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत

केटी/न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी उतरप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह उतरप्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को भोजपुर जिला के सभी सातो विधाधसभा के प्रमुख कार्यकताओं के साथ बैठक करने के लिए भाजपा जिला कार्यालय बामपाली पहुंचे। आरा आगमन पर उतरप्रदेश सरकार के मंत्री का भव्य स्वागत जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे किया गया। भाजपा जिला कार्यालय मे आरा, बड़हरा ओर संदेश विधाधसभा के प्रमुख नेता और कार्यकताओं के महत्वपूर्ण बैठक की। इसी प्रकार अगिआंव विधाधसभा का बैठक चरपोखरी, तरारी विधाधसभा का बैठक पीरो,जगदीशपुर विधाधसभा का बैठक जगदीशपुर ओर शाहपुर विधाधसभा का बैठक बिहिया मे किए। भाजपा जिला कार्यालय बैठक में आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,पूर्व विधायक संजय सिंह टाईगर, पूर्व जिलाध्यक्ष अंगद सिंह, मिथलेश कुशवाहा, कौशल विद्यार्थी, हरेन्द्र पांडेय, महेश पासवान, कौशल यादव, मीरा यादव,वंदना राजवंशी, संतोष चंद्रवंशी, संजय कुमार सिंह, जीतु चौरसिया, श्रीभगवान सिंह, धनंजय तिवारी, राजेन्द्र तिवारी, लव पांडेय, विभु जैन, सहित आरा,बड़हरा और संदेश विधानसभा के विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक,मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शामिल थे। जगदीशपुर मे किला मैदान मे स्वतंत्रता सेनानी बाबु कुँवर सिंह के प्रतिमा पर मंत्री द्वारा माल्यार्पण किया गया। सभी स्थानो पर उतरप्रदेश सरकार के मंत्री का भव्य स्वागत किया गया।अन्य बैठको मे मिथलेश कुशवाहा, सुषुमलता कुशवाहा, मुनी देवी, भुवर ओझा, उदय प्रताप सहि,ज्योति कुशवाहा, संतोष चंद्रवंशी, सूर्यकांत पाडेय, धीरेन्द्र सिंह, राजकुमार कुशवाहा, अरविन्द पांडेय, रामसागर राय, धीरज सिंह सहित भाजपा के नेता, पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता शामिल थे। मंत्री ने बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम और चुनाव तैयारी पर विसँतृत चर्चा किया।उन्होने कहा कि सभी सातो सीट हमारे लिए महत्वपूर्ण है। एनडीए के उम्मीदवार को हम सभी मिल कर भारी मतो से जिताएँगे।

विजयदशमी उत्सव के रूप में मनाया गया राष्ट्रीय स्वयंसेवक का शताब्दी वर्ष

केटी/न्यूज/रोहतास

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में डेहरी नगर के केनाल रोड स्थित स्व.ललन सिंह सपोर्टिंग क्लब में विजयदशमी उत्सव कार्यक्रम समारोह आयोजित हुई। कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्ध नागरिकों सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। वही इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ईएनटी चिकित्सक डॉ. अभय कुमार राय उपस्थित रहे। उन्होंने संघ की कार्यपद्धति और समाज निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ अनुशासन और राष्ट्र सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। मुख्य वक्ता के रूप में संघ के रोहतास विभाग प्रचारक बिजेंद्र कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि संघ स्थापना काल से ही भारत माता की सेवा और राष्ट्रहित के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि देश की हर आपदा और विपदा में स्वयंसेवक अग्रिम पंक्ति में रहकर समाज और

राष्ट्र की सेवा करते हैं। वही प्रचारक बिजेंद्र कुमार ने संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, स्व का बोध, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य– पर विस्तार से चर्चा की और आगामी कार्यक्रमों की योजनाओं को भी साझा किया। कार्यक्रम का संचालन रविशंकर ने की। जबकि धन्यवाद ज्ञापन यश उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया गया। कुल मिलाकर यह आयोजन संघ की शताब्दी वर्षगांठ को समर्पित रहा, जिसमें राष्ट्रभक्ति, समाज सेवा और संगठन की शक्ति का संदेश समाज के लोगों में दिया गया।

भोजपुर के 5 थानों में नए थानेदारों की तैनाती राकेश कुमार सिंह को पीरो थाना की कमान

केटी/न्यूज/ आरा

भोजपुर एसपी राज ने अपराध नियंत्रण व विधि-व्यवस्था को लेकर पांच थानों में नए थानेदारों की तैनाती की है। बिहिया थाना में कार्यरत इंस्पेक्टर संजीव कुमार को संदेश थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, पहले से कार्यरत थानाध्यक्ष संतोष कुमार को मुफस्सिल थाना का पर्यवेक्षी पदाधिकारी बनाया गया है। पुलिस केन्द्र में पोस्टिंग की प्रतीक्षा में बैठे सुमेश्वर दास को बिहिया थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। वे रोहतास जिले से आए है। इसी तरह पुलिस केन्द्र में पोस्टिंग की प्रतीक्षा में बैठे इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह के पीरो थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार को सहार थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। सहार थाना में पहले से कार्यरत थानाध्यक्ष दीपक कुमार को लाइन क्लोज कर दिया गया है। इंस्पेक्टर पंकज कुमार को पुलिस केन्द्र से तरारी थाना का

नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, तरारी थानाध्यक्ष रहे राजेश मालाकार को पीरो का पर्यवेक्षी पदाधिकारी बनाया गया है। सभी पदाधिकारियों को जल्द योगदान देने का आदेश दिया गया है। आने वाले दिनों में कुछ और तबादले होंगे। सभी अफसर 2009 बैच के है। संजीव व राकेश पहले भी जिले के अलग-अलग थानों में सेवा दे चुके है। जिले में चुनाव से पहले बड़ा उल्टफेर माना जा रहा है।

दीपंकर भट्टाचार्य पहुंचे जवइनिया कहा सरकारी राहत-पुनर्वास की स्थिति शर्मनाक ट्रिपल इंजन सरकार की लापररवाही का नतीजा है यह हादसा

केटी/न्यूज/आरा

माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, एक उच्चस्तरीय दल के साथ जवइनिया गांव पहुंचे। जहां उन्होंने कई घंटे वहां बिताये और कटाव स्थल जवइनिया, नौरंगा गांव के लोगों और और बांध पर रह रहे लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान दीपांकर ने कहा कि कोइलवर से बक्सर तक पक्का बांध बनना चाहिए, कटाव का स्थायी निदान हो, जमीन का पर्चा देकर छीन लिया गया, वापस हो, बिलौटी में बसाने का वादा पूरा किया जाये। ढाई महीने में जमीन-मकान सूची पूरी नहीं हुई,

उसमें से भी एसआईआर की गई और नाम काटे गए हमें पूरी सूची के लोगों को यह लाभ दिलाने के लिए लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के बहाने से लंगर को बंद करने की कोशिश होगी हमें उसे रोकना होगा। जमीन के बदले जमीन, मकान के बदले मकान की मांग करनी होगी। डॉक्टर, एम्बुलेंस और बच्चों को स्कूल भेजने की गारंटी सरकार करे. जिला प्रशासन, राज्य व केंद्र सरकार के स्तर पर हम मांग को उठाएंगे। आरके सिंह लगातार मंत्री रहे, उन्होंने कुछ नहीं किया। हम कोई भेदभाव नहीं करते, जाति, धर्म के नाम पर. कौन हमारे वोटर हैं, कौन नहीं. सभी लोगों को जमीन मिले, आवास मिले, सबका पुनर्वास हो। हमें पूरी एकता बनाकर चलना है और अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए हरतरह के आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा। नीतीश सरकार ने पर्चा देकर वापस ले लिया, यह एक तरह का अपमान है। हमें इस अपमान को याद रखना होगा सरकार अभी भी कटाव रोकने के लिए कुछ नहीं कर रही, यह बहुत बड़ा अपराध है।

दो ट्रकों के बीच हुई जोरदार टक्कर में बाल बाल बचें चालक

केटी/न्यूज/रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र के जयश्री एनएच 120 पर आज सुबह एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार एक ट्रक ट्रेलर ने दूसरे ट्रक में जोर दार टक्कर मार दी, जिससे टेलर ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और टेलर ट्रक चालक सुरक्षित बच गया। जानकारी के अनुसार, ट्रक ट्रेलर बिक्रमगंज की ओर तेज गति से जा रहा था। ओवरटेक करने के प्रयास में उसने आगे चल रहे ट्रक टेलर को जोरदार टक्कर मार दी। वही टक्कर के बाद आगे चल रहे ट्रक टेलर मौके से फरार हो गया, जिसका पिछला हिस्सा

क्षतिग्रस्त बताया जा रहा है। चालक रामानंद यादव ने बताया कि वह स्टॉक से बालू लादकर गोरखपुर, उत्तर प्रदेश जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि दूसरा ट्रक टेलर उत्तर प्रदेश का ही है। हादसे के बाद चालक काफी घबराया हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही काराकाट पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जयश्री के ग्रामीणों के अनुसार, ट्रक ने पीछे से ट्रक टेलर को टक्कर मारी थी।

एक नजर

दुर्गा पूजा नवरात्र पर 5वें दिन निकली जलयात्रा

काराकाट । नवरात्र के पांचवे दिन शनिवार के शाम दुगार्पूजा को लेकर नगर के करूप व बाद गांव के दोनों मां दुर्गा पंडाल में शोभायात्रा और जलयात्रा निकाल जलभरी की गई। जिसमें हाथी, घोड़े व बैंडबाजे के साथ हाथों में कलश लिए भारी संख्या में महिला-पुरुष श्राद्धालु शामिल हुए। यह जलयात्रा करूप पूजा पंडाल से निकली शोभा यात्रा करूप बाजार व राजमार्ग से जमुआ होते हुए तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जमुआ पुल तक पहुंची, जहां वेद मंत्रों के बीच कलश में जल धारण किया गया। बता दे कि रामायण के किरदारों की झलकियां जैसे जामवंत, हनुमान देखने को मिला। जबकि बाद वार्ड 5 में इस बार दो जगह मां दुर्गा पूजा की जा रही हैं जिसे संयुक्त रूप से जलयात्रा बाद गांव पूजा पंडाल से निकली शोभा यात्रा चिल्हा बहुआरा रोड होते हुए दो किलोमीटर की दूरी तय कर बाद टोला पुल तक पहुंची, जहां वेद मंत्रों के बीच कलश में जल धारण किया गया। शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की जयकारों से पुरा इलाका गूंज रहा था। इस जलयात्रा में करूप, बाद के अलावे जमुआ के भी कई लोग शामिल थे। इस जलयात्रा में शामिल नगर उपाध्यक्ष रविश रंजन, वार्ड एक पार्षद बिपिन कुमार, वार्ड दो पार्षद संतोष तिवारी उर्फ पिंटू तिवारी, वार्ड पांच पार्षद प्रतिनिधि पिंटू कुमार,शिव कुमार सिंह, भागीरथी सिंह,अशोक जी ,शशि जी, मुकेश कुमार सिंह,नन्द जी सिंह ,रामजी सिंह,बिपिन सिंह, डिम्पल कुमार ,दीपक चौधरी ,प्रमोद चौधरी ,रमेश कुमार वर्मा ,संजीत कुमार,मुकेश कुमार,प्रियंशुताज ,मनीष कुमार,अभिषेक पांडेय सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा पर फ्लैग मार्च निकाल एसडीएम और एएसपी ने लिया जायजा

बिक्रमगंज। दुगार्पूजा को लेकर शनिवार की संध्या एसडीएम प्रभात कुमार एवं एएसपी सह डीएसपी संकेत कुमार के संयुक्त नेतृत्व में पूरे नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया । फ्लैग मार्च में थानाध्यक्ष ललन कुमार, नगर ईओ मोहम्मद जमाल अख्तर अंसारी समेत कई अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहे ।फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने नगर का भ्रमण करते हुए सभी प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण किया । इसके उपरांत सभी पूजा समिति अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए । मौके पर अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों को सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन की जानकारी विस्तार से साझा की ।एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि दुगार्पूजा के दौरान शांति,सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता है । प्रशासन की ओर से सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं । समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करें और किसी भी समस्या पर तुरंत प्रशासन को सूचित करें । एएसपी सह डीएसपी संकेत कुमार ने बताया कि पूरे नगर में पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई है । फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करना और कानून-व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करना है । दुगार्पूजा के दौरान सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी रखी जाएगी । साथ ही ध्वनि प्रदूषण,यातायात नियंत्रण एवं समय- सीमा पालन को लेकर भी सख्त निगरानी होगी । फ्लैग मार्च एवं निरीक्षण के इस कार्यक्रम से नगर में लोगों में सुरक्षा का संदेश गया और प्रशासन ने साफ किया कि गाइडलाइन उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

काव नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत, घर में पसरा मातम

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिरैनी में काव नदी के बाहा में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार काराकाट थाना क्षेत्र के ग्राम बिरैनी निवासी बसंत ठाकुर के 33 वर्षीय पुत्र मिथिलेश ठाकुर शुक्रवार को खेत घूमने के लिए गए थे खेत घूमने के उपरांत जब वे अपने गांव के काव नदी के बाहा में पैर धो रहे थे, तभी अचानक पैर धोने के क्रम में वे फिसल गए। जिससे उनकी पानी में डूबने से मौत हो गई। जब शाम तक वे घर नही पहुंचे तो परिजन उन्हें खोजने में जुट गए,लेकिन कहीं पता नहीं चला। शनिवार को जब गांव के किसान खेत घूमने के वास्ते काव नदी के बाहा तरफ गए तो बाहा में शव देखने को मिला। घटना की सूचना पर परिजन व गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच शव को बाहर निकाला । शव को देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया साथ ही साथ गांव में मात्तमी सन्नाटा पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि थाना क्षेत्र के बिरैनी निवासी बसंत ठाकुर के पुत्र मिथिलेश ठाकुर की मौत काव नदी के बाहा में डूबने से हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को उनके परिजनों समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है।

पटना जिले में 11.92 करोड़ की लागत से बनेगी नई सड़क, फोर लेन से होगा सीधा कनेक्शन

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने राज्य में सड़क नेटवर्क को और मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जानकारी दी कि पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र में साध बाबा चौक से गवाशेखपुरा तक सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह सड़क परसामा और मदतपुर होते हुए बनाई जाएगी। इस पूरी परियोजना पर कुल 11.92 करोड़ रुपये की लागत आएगी। नवीन स्वीकृत योजना के तहत सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा। इसमें 3.705 किलोमीटर लंबाई तक

फ्लेक्सिबल पेवमेंट और 3.965 किलोमीटर तक रिगिड पेवमेंट का निर्माण शामिल है। सड़क को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए लगभग 3500 मीटर लंबी नाली बनाई जाएगी, जिससे बरसात के मौसम में जलजमाव की समस्या न हो। साथ ही, सड़क की स्थायित्व को बढ़ाने के लिए रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाएगा। जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 1000 मिलीमीटर व्यास वाले ह्यूम पाइप और चार आरसीसी कल्वर्ट भी लगाए जाएंगे।यह सड़क सीधे मोकामा-बख्तियारपुर चार लेन पथ से जुड़ जाएगी, जिससे इलाके के लोगों को राजधानी पटना और आसपास के जिलों तक बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर विकास की रफ्तार भी तेज होगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के अनुसूचित जाति घटक के अंतर्गत राज्य सरकार ने हाल ही में बिहार के विभिन्न जिलों में कुल 330 योजनाओं के उन्नयन को मंजूरी दी है। इन योजनाओं पर पंचवर्षीय अनुरक्षण सहित कुल 12109.2968 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उनका कहना था कि सरकार की प्राथमिकता गांवों तक मजबूत और चौड़ी सड़कों को पहुंचाना है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता खुल सके। चौधरी ने आगे कहा कि सड़क निर्माण के कारण जहां लोगों का आवागमन सहज और सुरक्षित होगा वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों और स्थानीय लोगों को काम मिलेगा जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। खासकर सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण के क्षेत्र में पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2005 की तुलना में आज बिहार में शानदार सड़क नेटवर्क विकसित हुआ है जो पूरे देश में मिसाल बन रहा है। इसी कड़ी में साध बाबा चौक से गवाशेखपुरा सड़क निर्माण परियोजना को शुरू किया जा रहा है। इस परियोजना से न केवल बाढ़ अनुमंडल के लोगों को लाभ मिलेगा बल्कि यह क्षेत्रीय विकास की नई संभावनाओं को भी जन्म देगा। सरकार का उद्देश्य है कि गांव से लेकर शहर तक एक मजबूत और टिकाऊ सड़क तंत्र तैयार किया जाए जिससे हर वर्ग के लोग लाभान्वित हों।

बिहार चुनावी मिशन पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह

सीमांचल से कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र, बूथ स्तर पर मजबूती का आह्वान

चुनावी तैयारियों की दिशा तय करेगा

डेढ़ घंटे चलने वाले इस विशेष कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में गृह मंत्री आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं से फीडबैक लिया और बूथ स्तर तक की रणनीति पर चर्चा की। शाह ने जीत का मंत्र देने के साथ-साथ संगठन को और मजबूत करने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। फारबिसगंज से अररिया, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज समेत सीमांचल के नौ जिलों के कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि यह संवाद आगामी चुनावी तैयारियों की दिशा तय करेगा। उधर, स्थानीय कार्यकताओं में भी शाह के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

राहुल गांधी को बिहार के युवाओं की चिंता नहीं

शाह ने कहा कि बिहार में भाजपा जितनी मजबूत होगी, उतना ही एनडीए मजबूत होगा। एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही सुरक्षित होगा। बिहार जितना मजबूत होगा, उतना ही भारत भी मजबूत भी होगा। कुछ दिन पहले राहुल बाबा यहां आए थे। एक यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकाली थी। आप बताइए क्या घुसपैठियों का हमारे वोटर लिस्ट में नाम होना चाहिए क्या? घुसपैठियों को सरकारी योजना का लाभ मिलना चाहिए। राहुल गांधी बिहार के युवाओं और गरीबों की चिंता नहीं करते हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता करते हैं।

एजेंसी। पटना

गृह अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर बिहार में हैं। आठ दिन के अंदर यह उनका दूसरा दौरा है। आज वह समस्तीपुर और अररिया पहुंचे। पटना से निकलने के बाद पहले वह समस्तीपुर पहुंचे। यहां सरायरंजन स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर जिले के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद अररिया पहुंचे। यहां पर फारबिसगंज के हवाई फील्ड मैदान में भाजपा के शक्ति प्रदर्शन में शामिल हुए। यहां पर पहले पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, भागलपुर, बांका भाजपा कोर कमेटी के नेताओं और लगभग पांच हजार पार्टी कार्यकताओं से सीधा संवाद किया। गृह अमित शाह ने कहा कि चुनाव के मौसम में हमलोगों ने आम सभा रखने की जगह कार्यकर्ता सम्मेलन बुलाया है। क्योंकि, सभी पार्टियों में एक भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसका चुनाव जीतने का आधार कार्यकर्ता होता है। बूथ और मंडल स्तर के कार्यकताओं के बल पर ही हमलोग चुनाव जीतते हैं। हमारे यहां नेता थोपे नहीं जाते हैं, वह नीचे लेवल तक आते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले चुनाव में फिर से दो तिहाई बहुमत के साथ नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने पीएम मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि 24 साल में एक भी दिन ऐसा नहीं है जब पीएम मोदी ने छुट्टी ली हो। वह 24 घंटे देश सेवा में लगे रहे हैं। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता ऐसे हैं जो गर्मी पड़ने पर विदेश चले जाते हैं। राहुल गांधी को बिहार के युवाओं की चिंता नहीं' शाह ने कहा कि बिहार में भाजपा जितनी मजबूत होगी, उतना ही एनडीए मजबूत होगा। एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही सुरक्षित होगा। बिहार जितना मजबूत होगा, उतना ही भारत भी मजबूत भी होगा। कुछ दिन पहले राहुल बाबा यहां आए थे। एक यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकाली थी। आप बताइए क्या घुसपैठियों का हमारे वोटर लिस्ट में नाम होना चाहिए क्या? घुसपैठियों को सरकारी योजना का लाभ मिलना चाहिए। राहुल गांधी बिहार के युवाओं और गरीबों की चिंता नहीं करते हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता करते हैं।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का बिहार दौरा, 28 सितंबर को पटना में कार्यक्रम

एजेंसी। पटना

देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 28 सितंबर को बिहार के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 11 बजे पटना पहुंचेंगे और यहां आयोजित उन्मेष - अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के तीसरे संस्करण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम पटना के बापू सभागार में आयोजित किया गया है। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति मुजफ्फरपुर के कटरा स्थित श्रीचामुंडा देवी मंदिर भी जाएंगे, जहां वे पूजा-अर्चना करेंगे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 28 सितंबर को सुबह 11 बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां

उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। जिसके बाद वे पटना के बापू सभागार के लिए रवाना होंगे। बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उपराष्ट्रपति मुजफ्फरपुर के कटरा में श्रीचामुंडा देवी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। इसकी पूरी तैयारी की जा रही है।

पटना में अब स्कूल टाइम पर संचालित होगी पिंक बस, छात्राओं को मिलेगा बड़ा फायदा

एजेंसी। पटना

पटना में अब पिंक बस सेवा को विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज जाने वाली छात्राओं एवं महिला शिक्षिकाओं की सुविधा के लिए संचालित किया जाएगा। परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बिहार राज्य पथ परिवहन निगम को निर्देश दिया है कि पिंक बसें निर्धारित विशेष समय पर ही चलाई जाएं, ताकि महिलाओं को सुरक्षित, आरामदायक और भरोसेमंद यात्रा मिल सके। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यभर में दो चरणों में कुल 100 पिंक बसों की शुरूआत की थी। इनमें से 30 बसें फिलहाल पटना शहर के विभिन्न रूटों पर चल रही हैं। इसके अलावा, पटना जिला और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए भी पिंक बसों का संचालन जारी रहेगा। इस सेवा से छात्राओं और महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षित यात्रा का विकल्प मिलेगा। पिंक बस का मासिक पास शुल्क छात्राओं के लिए 450, महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए 550 निर्धारित किया गया है। पास बनवाने की सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन ह्यचलो मोबाइल ऐपह्ल के जरिए किया जा सकता है, और पास एक दिन में जारी हो जाता है। ऑफलाइन पास के लिए 20 अतिरिक्त शुल्क देना होगा और यह बांकीपुर तथा फुलवारीशरीफ बस डिपो से तत्काल प्राप्त किया जा सकता है। पास बनवाने के लिए छात्राओं को आधार कार्ड, कॉलेज आईडी, और पासपोर्ट साइज फोटो देना होगा। जबकि महिला यात्रियों को आधार कार्ड और फोटो प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

बिहार : सहरसा को जल्द मिलने जा रहा दूसरा ग्लासब्रिज, पर्यटन को मिल रही नई पहचान

एजेंसी। सहरसा

राजगीर के बाद अब बिहार के सहरसा जिले में भी ग्लासब्रिज बनकर तैयार हो रहा है। इस परियोजना पर लगभग 98 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। ग्लासब्रिज के बनने से न केवल जिले में पर्यटन को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि इससे जिले के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलेगी। सहरसा में दो बड़ी परियोजनाओं का विकास हो रहा है, जिनमें से एक है मत्स्यगंधा झील का पुनर्विकास। लंबे समय से बेजान पड़ी इस झील को नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। झील में बने ग्लासब्रिज प्रोजेक्ट में पर्यटकों के लिए गोलाकार ग्लासब्रिज, संगीतमय फव्वारा, लाइट और साउंड शो, फूड कोर्ट, सेल्फी पॉइंट, पार्किंग और शौचालय जैसी कई आधुनिक सुविधाएं

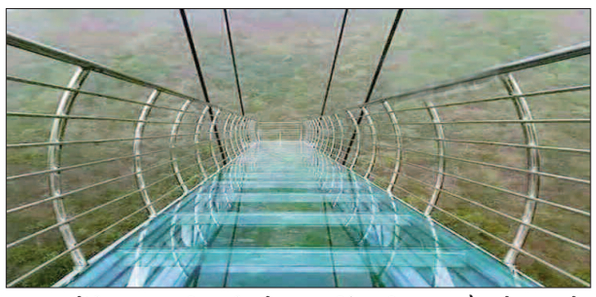

उपलब्ध होंगी। यह ग्लासब्रिज झील के ऊपर चलने का अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। संगीतमय फव्वारा पर्यटकों के लिए एक खास आकर्षण होगा, वहीं सेल्फी पॉइंट पर लोग अपनी खूबसूरत यादें कैद कर सकेंगे। खाने-पीने की भी पूरी व्यवस्था की जाएगी। झील के चारों ओर 400 मीटर लंबा घाट बनाकर पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का अवसर दिया जाएगा। सहरसा में बन रहे इस ग्लासब्रिज से जिले में आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बढ़ते पर्यटन के कारण होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि आस-पास के जिलों और राज्यों के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगी। कोसी इलाके में बन रहा यह ग्लासब्रिज परियोजना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पूर्व मंत्री नंदलाल मीणा का निधन

पटना। चार दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहे और जनजातीय समाज की बुलंद आवाज बने पूर्व मंत्री नंदलाल मीणा का अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। नंदलाल मीणा का जन्म 25 जनवरी 1946 को अंबामाता का खेड़ा गांव में हुआ था। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाले मीणा ने शिक्षा पूरी करने के बाद सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की और धीरे-धीरे राजनीति में अपनी पहचान बनाई। उनका परिवार भी लंबे समय से राजनीति से जुड़ा रहा है। उनकी पत्नी सुमित्रा देवी जिला प्रमुख रह चुकी हैं। पुत्र हेमंत मीणा इस समय सरकार में राजस्व मंत्री हैं। वहीं, पुत्रवधु भी जिला प्रमुख के पद पर रह चुकी हैं। मीणा एक पुत्र और पांच पुत्रियों के पिता थे।

नवरात्रि और दशहरा को लेकर पटना जिला प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा एडवाइजरी जारी

एजेंसी। पटना

नवरात्रि, दशहरा और रावण वध कार्यक्रम को लेकर पटना में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। इस दौरान कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है और अलर्ट मोड में काम कर रही है। जिला प्रशासन की तरफ से सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है और लोगों से विशेष एहतियात बरतने की अपील की है। एडवाइजरी के अनुसार, मेले में आने वाले लोग अपने बच्चों के पॉकेट में नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखकर जरूर रखें। बच्चों का हाथ मेले में कभी न छोड़ें और उन्हें इधर-

उधर जाने न दें। महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और न ही उस पर ध्यान दें। सभी से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। धूम्रपान और किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करने का भी निर्देश दिया गया है। मेले में किसी भी तरह की अव्यवस्था न फैलाएं। सड़क पर धीरे-धीरे चलें, कतारबद्ध रहें और जल्दबाजी बिल्कुल न करें। इमरजेंसी मार्ग को किसी भी हाल में बाधित न करें। पटाखे और ज्वलनशील पदार्थ मेले में साथ लेकर आना पूरी तरह प्रतिबंधित है। सभी से सुरक्षा मानकों का पालन करने और स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों को सुरक्षित रखने की अपील की गई है। प्रशासन ने बताया कि सुरक्षा जांच आपके और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, इसलिए सुरक्षा जांच में पूरा सहयोग करें। यदि किसी को संदेहास्पद सूचना मिले तो तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष की 24X7 फोन नंबर 0612-2219810 / 2219234 या डायल 112 पर सूचित करें।

सुभाषितम्

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

जो चुप हैं, वही देशद्रोही हैं?

लोकतंत्र का असली आधार नागरिकों की अभिव्यक्ति है। सत्ता की आलोचना, सवाल और उनके जवाब ही लोकतांत्रिक संस्कृति में सभी पक्षों को जिम्मेदार बनाते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करता है। हाल के वर्षों में सत्ता के खिलाफ बोलना देशद्रोह माना जाने लगा है। एक पूर्व आईएएस अधिकारी ने कहा, यह मौन एक बडे संकट का इशारा है। उनका कहना है कि जो चुप हैं, वही देशद्रोही हैं। यानी जो लोग जानते हैं, गलत हो रहा है, फिर भी अपने स्वार्थ या डर के कारण चुप रहते हैं वो लोकतंत्र संविधान और स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़े गुनहगार हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के इस अधिकारी के इस बयान में गुस्सा ही नहीं, एक गहरी पीड़ा भी झलक रही है। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है, अदालतें नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के बजाय ह्ललेक्चरह्व देने लगी हैं। जमानत जैसे मौलिक अधिकार भी जजों के मूड और बेंच पर निर्भर हो गए हैं। यह आरोप लोकतंत्र की उस स्तंभ पर सीधा प्रहार है, जिस पर न्याय और संविधान की नींव खड़ी है। अगर न्यायपालिका ही राज्य की अति-शक्ति को नियंत्रित न कर सके, तो आम नागरिक कहां जाएगा? सरकार हर नीति और हर कानून को ह्लदेशहितह्व का बताकर लाती है। विरोध करने वालों को तुरंत देशद्रोही ठहराया जाता है। यह खतरनाक प्रवृत्ति है। लोकतंत्र में नागरिक का अधिकार है, वह नीतियों की समीक्षा करे। यदि वह सहमत नहीं है तो अपनी असहमति दर्ज कराए। परंतु हालात ऐसे बनाए जा रहे हैं, विरोध की हर आवाज को अपराध और देशद्रोह घोषित कर दिया जाए। पूर्व आईएएस अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा, सरकार अक्सर ह्लजनता बनाम सरकारह्व की लड़ाई को ह्लजनता बनाम जनताह्व में बदल देती है। इससे असली मुद्दा दब जाता है। सरकार की कोशिश होती है कि समाज विभिन्न विषयों को लेकर आपस में एक दूसरे का विरोध करने लगे। समाज आपस में उलझ जाता है। यही रणनीति सरकार ने शाहीन बाग, किसान आंदोलन समेत सभी आंदोलन को लेकर यही रणनीति अपनाई। सत्ता इस तरीके से खुद को जवाबदेही से मुक्त कर लेती है। मुद्दे से भटका देती है। असल सवाल यह है, क्या लोकतंत्र को केवल वोट डालने तक सीमित कर दिया जायेगा? या फिर गलत को गलत कहने का साहस मध्यम वर्ग एवं कुलीन वर्ग के लोग जुटाएंगे। या अभी भी डर या भय के कारण चुप्पी साध कर बैठे रहेंगे। जिस तरह का डर, भय और चुप्पी इस समय देश में देखने को मिल रही है। उसे लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से भागना ही माना जाएगा। असली देशभक्ति सत्ता की अंधभक्ति और अपने ही स्वार्थ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बल्कि सच को सच कहने का जब आप साहस करते हैं तभी देशभक्त हैं। जो लोग बोल सकते हैं, वह चुप हैं, वह ना केवल अपने अधिकार खोते चले जाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अंधकार में बना रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था आने के पहले हम राजतंत्र की छत्रछाया में गुलामों की तरह रहते थे। राजा की जो मर्जी होती थी वही प्रजा को करना पड़ता था। राजाज्ञा का पालन नहीं करने पर फांसी में चढ़ा दिया जाता था। जेलों में कैद कर दिया जाता था। राजाज्ञा से संपत्ति से बेदखल कर दिया जाता था। देश निकाला दे दिया जाता था। स्वतंत्रता के पश्चात सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले। संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार तय किये। मौलिक अधिकारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खत्म करने की शक्तियां संविधान ने सरकार, विधायिका, कार्यपालिका को नहीं दी। न्यायपालिका को संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी संविधान से मिली है, दुर्भाग्य का विषय है कि न्यायपालिका अपने उत्तरदायित्व का पालन जिस तरह से करना चाहिए था वह नहीं कर रही है। सरकार का डर और भय न्यायपालिका और न्यायाधीशों में भी देखने को मिल रहा है। ऐसी स्थिति में जनता जिसे संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था ने जनता को ही असली मालिक बनाया है अब राजतंत्र नहीं है जनता अपने मत से अपने शासक का चुनाव करती है।

चिंतन-मनन

सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमत्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है। इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

लता मंगेशकर संगीत प्रेमियों के दिलों में अमर हैं

- हर्षवर्धन पान्डे

स्वर कोकिला लता मंगेशकर भारतीय संगीत जगत की एक ऐसी शख्सियत हैं जिनका नाम संगीत प्रेमियों के दिलों में अमर है। 28 सितंबर 1929 को इंदौर मध्य प्रदेश में जन्मी लता मंगेशकर ने अपने सात दशक से अधिक लंबे करियर में हजारों गीत गाए जो न केवल हिंदी सिनेमा बल्कि भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन गए। उनकी मधुर आवाज ने उन्हें विश्व स्तर पर ख्याति दिलाई। उनकी मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी। आज भी उनकी आवाज दिल को छूती नहीं,बल्कि दिल में बस जाती है। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चाँद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया। सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता की आवाज हर किसी भी हर किसी संगीत प्रेमी के दिल के तारों को झंकृत कर देती है। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर का जन्म के वक्त नाम हेमा रखा गया था लेकिन कुछ साल बाद अपने थिएटर के एक पात्र लतिका के नाम पर दीनानाथ जी ने उनका नाम लता रखा। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे। लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता जी ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू की और वह वह थिएटर में एक्टिंग किया करती थी। जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता को अपनी बहन आशा को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया। सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था। काफी समय तक उन्हें कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला। प्रोजेक्ट नहीं मिलने की दो वजहें थीं। एक तो साल 1940 के दौर में जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में एंट्री ली बॉलीवुड में नूरजहां और शमशाद का दबादबा था और दूसरा लता की आवाज की पिच काफी हाई थी और आवाज पतली। ऐसे में उस दौर के चलन में चल रहे गानों के मुताबिक आवाज भी फिट नहीं बैठती थी। प्रोड्यूसर शशिधर मुखर्जी ने लता मंगेशकर की आवाज को पतली आवाज कहकर अपनी फिल्म शहीद में गाने से मना कर दिया था। फिर म्यूजिक डायरेक्टर गुलाम हैदर ने लता मंगेशकर को फिल्म मजबूर में दिल मेरा तोडा, कहीं का ना छोड़ा गीत गाने को कहा जो काफी सराहा गया। लता मंगेशकर के पिता नहीं चाहते थे कि वो फि ल्मों के लिये गाने गाये लेकिन लता मंगेशकर बचपन से ही गायक बनना चाहती थी। लता ने जोगलेकर द्वारा निर्देशित एक फि ल्म कीर्ति हसाल के लिये पहली बार गाना गाया था लेकिन उनके पिता नहीं चाहते थे कि लता फि ल्मों के लिये गाये इसलिये इस गाने को फि ल्म से निकाल दिया गया लेकिन वसंत जोगलेकर लता की प्रतिभा से काफी प्रभावित हुए। साल 1942 में उनके पिता इस दुनिया को छोड़ गए और लता मंगेशकर के कंधों पर परिवार को संभालने की सारी ज़िम्मेदारी आ गई। पिता की मौत के बाद लता को पैसों की बहुत किल्लत झेलनी पड़ी और काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी वजह से लता मंगेशकर ने 1942 से लेकर 1948 तक करीब 8 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया।1940 के दशक में लता मंगेशकर जब फिल्मों में गाना शुरू किया तो वो लोकल पकड़कर अपने घर मलाड जाती थी। वहां से उतरकर पैदल स्टूडियो बॉम्बे टॉकीज जाती। रास्ते में किशोर दा भी मिलते लेकिन वो एक दूसरे को नहीं पहचानते थे। किशोर कुमार लता मंगेशकर की ओर देखते रहते। कभी हंसते। कभी अपने हाथ में पकड़ी छड़ी घुमाते रहते। लता मंगेशकर को किशोर कुमार की ये हरकत अजीब लगती थी।हिंदी सिनेमा में उन्होंने पहला गाना साल 1943 में गाया। ये गाना था फिल्म गजाभाऊ का और इसके बोले थे माता एक सपूत की दुनिया बदल दे तू। हालांकि इस गाने से लता को कुछ खास पहचान नहीं मिली। लता मंगेशकर खेमचंद प्रकाश की एक फिल्म में गाना गा रही थी। एक दिन किशोर दा भी उनके पीछे-पीछे स्टूडियो पहुंच गए। लता मंगेशकर ने किशोर कुमार की खेमचंद से शिकायत की। तब खेमचंद ने लता को बताया कि किशोर कुमार अशोक कुमार के छोटे भाई हैं। 1948 में म्यूज़िक कंपोजर गुलाम हैदर ने लता के बड़ा ब्रेक दिया, जिसके बाद उनका संघर्ष का दौर खत्म हुआ और फिल्मी दुनिया में ऐसा सिक्का चला कि लोग उनकी आवाज के दीवाने हो गए। आज भी लता की गायकी सिल्वर स्क्रीन में चार चाँद लगा देती है। फिल्म मजबूर में लता मंगेशकर ने दिल मेरा तोड़ा मुझे कहीं का न छोड़ा गाना गया। 1949 में उन्होंने फिल्म महल में गाया उनका गाना आएगा आनेवाला बेहद पसंद किया गया। असल में यह गाना इतना लोकप्रिय हुआ कि लता मंगेशकर रातोंरात स्टार बन गई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद उन्होंने दुलारी, बरसात और अंदाज में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। चंद महीनों में ही लता के प्रति लोगों का नजरिया बदला और उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली और फिर इसके बाद उन्हें मुड़कर पीछे नहीं देखना पड़ा। लता मंगेशकर ने फिल्म इंडस्ट्री के सभी दिग्गज म्यूज़िक डायरेक्टर्स और सिंगर्स के साथ काम किया।1942 से अब तक वो 1000 से भी ज्यादा हिंदी फिल्मों और 36 से भी ज्यादा भाषाओं में गाना गा चुकी हैं। लता मंगेशकर ने 1950 के दौर में कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी रूहानी आवाज का जादू बिखेरकर सुनने वालों को सुकून पहुंचाया। लता मंगेशकर ने 1950 के दौर में कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी रूहानी आवाज का जादू बिखेरकर सुनने वालों को सुकून पहुंचाया। उस दौरान उन्होंने बैजू बावरा, मदर इंडिया, देवदास और मधुमति जैसी हिट फिल्मों में गाने गाए। फिल्म मधुमति के गाने आजा रे परदेसी के लिए 1958 में लता मंगेशकर को पहला फिल्मफेयर मिला। 60, 70 और 80 के दशक में गाए गए लता मंगेशकर के ज्यादातर गाने ऑल टाइम हिट्स की कैटगरी में आते हैं। कहा जाता है कि बड़े-बड़े प्रोड्यूसर्स, म्यूज़िक डायरेक्टर्स और एक्टर्स उनके साथ काम करने के लिए होड़ लगाया करते थे। साल 1977 में आई फिल्म किनारा में लता मंगेशकर नाम गुम जायेगा, चेहरा ये बदल जायेगा, मेरी आवाज ही, पहचान है, गर याद रहे गीत गाया। लता मंगेशकर की ये लाइनें उनके हर चाहने वाले को हमेशा याद रहेंगी। लता मंगेशकर ने 1950 के दौर में कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी रूहानी आवाज का जादू बिखेरकर सुनने वालों को सुकून पहुंचाया। उस दौरान उन्होंने बैजू बावरा, मदर इंडिया, देवदास और मधुमति जैसी हिट फिल्मों में गाने गाए।

भारतीय संस्कृति का धरोहर है नदियों का जल

- संजय गोस्वामी

प्राचीन भारतीय संस्कृति में माना गया है कि ब्रह्मण्ड में जितने भी प्रकार का जल है उसका हमें सरंक्षण करना चाहिए। नदियों के जल को सर्वाध्कि संरक्षणीय माना गया है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र को सींचती है जिससे प्राणिमात्रा का जीवन चलता है।, वेदों में गंगा नदी और उसके जल का उल्लेख है, विशेष रूप से ऋग्वेद में नदियों के स्तुति सूक्त (नदीस्तुति) में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त, अन्य वेदों और धार्मिक ग्रंथों जैसे महाभारत और पुराणों में भी गंगा को एक पवित्र नदी और देवी के समान माना गया है, जिसके जल को अमृततुल्य, पवित्र और पापों का नाश करने वाला बताया गया है। वेदों में गंगा का उल्लेख ऋग्वेदः ऋग्वेद (10.75) में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों के वर्णन में गंगा नदी का भी उल्लेख है। कुछ अन्य श्लोकों में भी इसका उल्लेख मिलता है, हालांकि यह विवादित है कि वह सीधे तौर पर नदी को संदर्भित करता है या नहीं। अन्य धार्मिक ग्रंथ और मान्यताओं में गंगा महाभारतः महाभारत के अनुसार, गंगाजल में हजारों चांद्रायण व्रत के समान पुण्यफल प्रदान करने की शक्ति है। पुराणः पुराणों में गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन है, जिसमें राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति दिलाने में गंगाजल की भूमिका बताई गई है। भगवद गीताः भगवद गीता में भी गंगा के गुणों का उल्लेख मिलता है और इसके जल में स्नान करने से शुद्ध होने पर जोर दिया गया है। हिंदू धर्म की मान्यताएंः गंगा नदी को सभी नदियों में श्रेष्ठ और तीर्थमयी माना जाता है। इसके दर्शन मात्र से ही पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगाजल सभी प्रकार की कामनाओं को पूरा करने वाला और औषधियों से युक्त माना जाता है। गंगाजल को अमृततुल्य माना जाता है और इसका उपयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्रता के लिए किया जाता है।ऋग्वेद और अथर्ववेद में अनेक नदियों का उल्लेख है। दोनों में ह्यसप्त सिंधवःह्न अर्थात साथ नदियों का अनेक बार उल्लेख है। अथर्ववेद में तो कहा गया है कि सात नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और सिंधु में मिलती है। इन्हें सिंधु की पत्नी और सिंधु की रानी भी कहा गया है। इन सात नदियों में पाँच तो पंजाब की ही है- शुतुद्री, विपाशा, इरावती, चन्द्रभागा तथा बितस्ता, जिन्हें आज क्रमशः सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम कहा जाता है। इनके अतिरिक्त दो और हैं- सिंधु और सरस्वती। ये सातों मिलकर ह्यसप्तसिंधुह्न कही जाती हैं। सरस्वतीऋग्वेद में कहा गया है कि यह नदी पर्वत से निकलती है और समुद्र में मिलती है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि देवों ने सरस्वती नदी के किनारे जौ की खेती की। वहाँ की भूमि अत्यन्त उर्वर थी। ऋग्वेद में इसकी बड़ी महिमा गाई गयी है। इसे सर्वोपरि देवी और सर्वोत्तम माता के तुल्य पूज्य बताया गया है। ब्राह्मणग्रंथों के अनुसार सरस्वती ह्यप्लक्ष प्रास्त्रवणंह्न नामक स्थान से प्रस्त्रावित हुई और ह्यविनशनह्न नामक स्थान पर लुप्त हुईं हैं। विनशन वर्तमान में कुरुक्षेत्र का सिरसा नामक स्थान है। यह थानेस्वर के पश्चिम में बहने वाली और भटमेर में रेगिस्तान में विलीन हो जाने वाली ह्यसरसुतिह्न नदी हो सकती हैं, जिसमें पटियाला के समीप घग्घर नदी आ मिलती है। वहाँ से सिन्धु तक एक सूखी नदी का मार्ग या घग्घर नदी का निशान अब भी विद्यमान है। कुछ विद्वानों का मत है कि घग्घर नदी ही सरस्वती नदी कही जाती थी सरस्वती सतलज जैसी विशाल नदी थी और वह समुद्र तक पहुँचती थी।1 ह्यसरस्वती, जो बड़ी भारी नदी है, वोधन (केतु) के द्वारा हमें ज्ञान के प्रति जागृत करती है और हमारे सब विचारों में प्रकाशित होती है।ह्न यदि हम यहाँ ह्यबड़ी भारी नदीह्न इस मुहावरे को भौतिक अर्थ में लें और इससे पंजाब की भौतिक नदी समझें, जैसा कि सायण समझता है तो यहाँ हमें विचार और शब्द प्रयोग की एक बड़ी असंगति दिखाई पड़ने लगेगी। वस्तुतः इसका अभिप्राय है- अंतःप्रेरणा का भारी प्रवाह या समुद्र। सरस्वती सत्य की वह अंतःशक्ति है, जिसे हम अंतःप्रेरणा कहते हैं। सत्य से आने वाली यह अंतःप्रेरणा हमें संपूर्ण मिथ्यात्व से छुड़ाकर पवित्र कर देती है। इस प्राकर श्री अरविंद उक्त मंत्र का आध्यात्मिक अभिप्राय लेते हैं। वे उक्त मंत्र का अर्थ करते हैं- ह्यसरस्वती अन्तः प्रेरणा, प्रकाशमय समृद्धताओं से भरपूर है (वाजेभिर्वा जिनीवती)ह्न। वह यज्ञ को धारण करती है। देव के प्रति दी गई मर्त्य जीव की क्रियाओं की छवि को धारण करती है। एक तो इस प्रकार कि वह मनुष्य की चेतना को जागृत करती है, (चेतन्ती सुमतीनाम्) जिससे वह चेतना या भावना की समुचित अवस्थाओं को और विचार की समुचित गतियों को पा लेती है, जो अवस्थाएँ और गतियाँ उस सत्य के अनुरूप होती हैं। जहाँ से सरस्वती अपने प्रकाश को ऊँड़ेला करती हैं और दूसरे इस प्रकार कि वह मनुष्य की उस चेतना के अन्दर उन सत्यों के उदय होने को प्रेरित करती हैं। (चोदयित्री सूनतानाम्) जो सत्य की वैदिक ऋषियों के अनुसार जीवन और सत्ता को असत्य, निर्बलता और सीमा से छुड़ा देते हैं और उसके लिए परमसुखद द्वारों को खोल देते हैं। इस सतत जागरण और प्रेरणा (चेतना और चोदन) के द्वारा जो केतु (वोधन) इस एक शब्द में संगृहीत है जिस केतु की वस्तुओं के मिथ्या मर्त्य दर्शन से भेद करने के लिए ह्यदैव्यकेतुह्न (दिव्य वोधन) करके प्रायः कहा गया है- सरस्वती मनुष्य की क्रियाशील चेतना के अंदर बड़ी भारी बाढ़ को या महान् गति को स्वयं सत्य चेतना को ही ला देती है, और इससे वह हमारे सब विचारों को प्रकाशमान कर देती है। (तीसरा मंत्र)। यह स्मरणीय है कि यह सत्य चेतना, वैदिक ऋषियों की यह सत्य चेतना एक अतिमानस स्तर है (मन से परे मनसतीत)। जीवन की पहाड़ी की सतह पर है- अद्रेः सानु। जो हमारी सामान्य पहुँच से परे है और जिस पर हमें बड़ी कठिनता से चढ़कर पहुँचना होता है। यह हमारी जागृति सत्ता का भाग नहीं है। यह हमसे छिपा हुआ अतिचेतन की निद्रा में रहता है।

जाति की राजनीतिः राष्ट्रहित में सबसे बड़ी बाधा

- दिलीप कुमार पाठक

जातिवाद हमारे समाज में एक कोढ़ की तरह है, और इसकी जड़ें बहुर गहरे तक हैं। और हमारे देश की शांति - सुकून भाईचारा, सद्भाव में सबसे बड़ा रोड़ा भी है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि भेदभाव ने लोगों का शोषण किया है, परंतु अब स्थिति बदल रही है, सदियों से चली आ रही कुप्रथाओं को चुटकियों में समाप्त नहीं किया सकता, ये धीरे - धीरे सही किया जा सकता है। अभी पिछले दिनों प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया जो उचित नहीं ठहराया जा सकता, परंतु प्रशांत किशोर पढ़े - लिखे युवा हैं, अगर लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें बड़े दिल से मुआफी मांग लेनी चाहिए इससे उनकी छवि अच्छी ही होगी। प्रशांत किशोर शिक्षित हैं युवा हैं इसलिए उनसे उम्मीद की जा सकती है कि वे पुनः किसी को अपने बयानों से आहत न करें। दूसरी बात कुछ बहुजन लोगों के ठेकेदार बनकर बैठे ही होते हैं कि कोई कुछ बोले तो हम समाज में खुदी हुई खाई को और खोद कर खुद की राजनीति चमका लें। कुछ नेताओ की जुबां इतनी गंदी है कि वे स्वर्ण समाज को गरियाने के नाम पर देवी - देवताओ लोगों के इष्ट आदि को गरियाने पूरे समाज को गरियाने एवं समाज में लोगों की भावनाओं को भड़काने से आगे बढ़ जाते हैं, जबकि ये किसी भी सूरत में उचित नहीं है। अतिवाद अक्षम्य है। आज सारे के सारे स्वर्ण बहुजन लोगो का शोषण नहीं करते, और न ही ये गुंजाइश बची है, जो लोग पढ़ते-लिखते हैं, वे आगे बढ़ते चले जा रहे हैं, धीरे - धीरे ही सही ये खाई भरी जा सकती है, परंतु हिंसा, कट्टरता के जरिए बढ़ी बल्कि आपसी सद्व्यवहार के जरिए। आज संविधान सभी को बराबरी का हक देता है, सभी को अपनी रोजी - रोटी कमाने की भी स्वतंत्रता देता है। आज किसी की भी हैसियत नहीं है कि कोई किसी का शोषण करे, कुछ घटनाये होती हैं तो कानून उन्हें कुचल देता है। अब दूसरे पक्ष में रोशनी डालते हैं बीते कुछ सालों से जाति के आधार पर नेतागिरी करने वाले नेताओ की बाढ़ आ गई है, जाति के नाम पर समाज में खाई खोदने के मामले बढ़ते जा रहे हैं, इससे मुल्क का भला नहीं हो सकता। दलित - पिछड़ा वर्ग के लोगों को अपने नेताओ का चयन सिर्फ जाति के आधार पर नहीं करना चाहिए बल्कि योग्यता एवं उसकी शख्सियत की खूबियों को देखकर ही चुनाव करना चाहिए। यही बात स्वर्ण लोगों पर भी लागू होती है अपने नेताओं का चयन योग्यता एवं उनकी शख्सियत की खूबियों के आधार पर चुनाव कीजिए, अन्यथा ये आपको आपसे में लड़ाने के बाद अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते हैं। राजनीतिक दलों की राजनीति भी जातीय समीकरण के इर्द - गिर्द घूमती रहती है इन्हें वही लोग चाहिए जो जाति के नाम पर वोट बटोर लाएं भले ही वो व्यक्ति चाहे जितना बड़ा अपराधी क्यों न हो! भारत में सभी पार्टियां और संगठन जाति और धर्म के आधार पर ही बने हुए हैं। पार्टियां अपने प्रत्याशी जाति और धर्म के आधार पर ही खड़े करती है। जब तक पार्टियां ऐसे दांव-पेंच बंद नहीं करेगी तब तक मुश्किल है। ईमानदार और सच्चे समाज सेवक राजनीति में नहीं आएंगे तब तक सुधार नहीं होगा। जबकि राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे जाति और धर्म आधारित फैसले लेना बंद करें। अपितु सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय राजनीति की शुरूआत करें।

आज का राशिफल

- **मेष** (Aries): कार्यक्षेत्र में आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, जिससे तनाव कम होगा।
- **तुला** (Libra): प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था तो आपको अब कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।
- **वृषभ** (Taurus): व्यापार के मामले में आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
- **वृश्चिक** (Scorpio): आर्थिक मामलों में दिन मजबूत रहने वाला है। धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।
- **मिथुन** (Gemini): संपत्ति की प्राप्ति हो सकती हो सकती है। कार्यक्षेत्र में काम अधिक होने के चलते ज्यादा व्यस्त रहेंगे।
- **धनु**: आपके सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।
- **कर्क** (Cancer): बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, साथ ही, आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।
- **मकर**: व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल लाभ प्राप्त होगा, जिससे सुकून महसूस होगा।
- **सिंह** (Leo): कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो आपके पक्ष में होंगे।
- **कुंभ** (Aquarius): संपत्ति से जुड़े मामलों में सतर्क रहना होगा, अन्यथा किसी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।
- **कन्या** (Virgo): आर्थिक मामलों में आपको कुछ जरूरी कार्यों पर धन खर्च करना पड़ सकता है।
- **मीन** (Pisces): आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिससे सुखद परिणाम प्राप्त होने की संभावना है।

विशेष

ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया ने दी फिलीस्तीन को मान्यता

भारत सरकार इजरायल के साथ खड़ी हुई है। वहीं दुनिया के 75 से ज्यादा देश फिलिस्तीन के साथ खड़े हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी इजराइल का विरोध कर रहे हैं। फिलिस्तीन में जो नरसंहार इजरायल कर रहा है। उसने सारी दुनिया को भयाक्रांत कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने फिलीस्तीन को मान्यता दे दी। जिस भारत ने फिलीस्तीन को सबसे पहले मान्यता दी थी। फिलिस्तीन में नरसंहार हो रहा है, भारत चुप बैठकर तमाशा देख रहा है। इससे भारत की बड़ी किरकिरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

सोनम वांगचुक गिरफ्तार

नोबेल पुरस्कार विजेता सोनम बांगचुक को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें जोधपुर जेल में भेजा गया है। यह वही सोनम मानसून है।जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धारा 370 खत्म करने पर प्रशंसा की थी। लेह और लद्दाख में एक हीरो के रूप में इनकी पहचान है। भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में आश्वासन दिया था। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। छठी अनुसूची में शामिल किया जाएगा। 5 साल बीत जाने के बाद भी सरकार अपना वायदा पूरा नहीं कर रही है। भाजपा और सरकार दोनों ही वायदे से मुकर गए हैं। पिछले दिनों लेह में भाजपा का कार्यालय जेन जी ने जला दिया है। पुलिस की गोलियों से वहां के 4 युवा आंदोलन मैं मारे गए हैं। लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1837: बहादुर शाह द्वितीय दिल्ली की गद्दी पर बैठे. 1929: पार्श्व गायिका लता मंगेशकर का जन्म. 1941: नाजी जर्मनी ने चेकोस्लोवाकिया में आतंक फैलाना शुरू किया. 1951: इंडोनेशिया राष्ट्रसंघ का सदस्य बना. 1965 मनीला फिलीपर्पीस से 56 किलो मीटर दक्षिण में ज्वालामुखी फूटने से 184 व्यक्तियों की मौत हो गयी. 1977: जापान के छापामारों ने अपहृत विमान के 156 व्यक्तियों को बंधक बना लिया. 1987: ईरान में आयातुल्ला खोमेनी के उत्तराधिकारी मेंहदी हाशमी को गोली से उड़ा दिया गया. 1988: चेकोस्लोवाकिया ने ब्रिटेन के दो सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया. 1989 :फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति फडीनांड का निधन. 1993: कराकस राजमार्ग के नीचे गैस पाइपलाइन के विस्फोट से पचास व्यक्ति मारे गए.

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 271 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 03.55 बजे रात्र को समाप्त। **योग** आयुष्मान 00.32 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 14.28 बजे तदनन्तर गर 03.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 02'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872481
जूलियन दिन 2460946.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 05
विशेष कल्पारंभ।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.18 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृश्चिक	09.32 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.48 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.53 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.40 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.13 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.23 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.21 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.35 बजे से
4.30 से 6.00		सिंह	02.51 बजे से
बजे तक		कन्या	05.03 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बारिश पर भारी आस्था, पट खुलते ही उमड़े भक्त

रांची में नौ पूजा पंडालों के पट खुले, श्रद्धालु पहुंचे मां के दरबार

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची दुर्गा पूजा के रंग में रंग गई है। शुक्रवार को रांची में नौ पूजा पंडालों का उद्घाटन हुआ। पंडाल का उद्घाटन हाते ही मां के भक्त दर्शन के लिए उमड़ पड़े। बारिश के बावजूद लोगों की भारी भीड़ पूजा पंडालों में देखी गई। रास्ते में पानी जमा है या कीचड़। लोगों ने इसकी भी परवाह नहीं की। हर उम्र के लोग मां के दरबार की ओर बढ़े चले जा रहे थे। पंडाल के आसपास गूंजती मां के भक्ति गीतों से माहौल और भक्तिमय हो रहा था। लोगों के मुंह से मां शेरावाली के जयकारे गूंज रहे थे। आज राजधानी के अन्य पूजा पंडालों के पट भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार, रांची में कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार किया गया है। 1.10 करोड़ रुपए की लागत से इसे बनाया गया है। यह पंडाल 110 फीट ऊंचा, 120 फीट चौड़ा और 120 फीट लंबा है। पंडाल और मूर्ति इको फ्रेंडली है। मूर्ति में हर्बल पेंट का उपयोग किया गया है।

पंडाल का उद्घाटन 31 कुंवारी कन्याओं ने किया। संभवत-यह रांची का पहला पूजा पंडाल है, जिसका उद्घाटन 31 कुंवारी कन्याओं ने किया है। उद्घाटन से पूर्व बकरी बाजार प्रांगण में स्थित मां दुर्गा के मंदिर में सभी कन्याओं का पूजन समिति के सदस्यों के घर से आई महिलाओं ने किया।

पूजन के बाद कन्याओं का चरण स्पर्श किया। मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित पूजा पंडाल तक शोभायात्रा निकाली गई। सभी कुंवारी कन्याएं आगे-आगे चल रही थीं। श्रद्धालु भी साथ चल रहे थे। गाजे-बाजे के साथ यह यात्रा निकली। पुष्प वर्षा की जा रही थी। ढोल-ताशा और ढाक के साथ माता

रानी के जयकारे से पूरा अपर बाजार गूंज उठा।

शुक्रवार की शाम 8.20 बजे जैसे ही अपर बाजार से सटे बांग्ला स्कूल लेन में ओसीसी क्लब के सौजन्य से बने पूजा पंडाल का उद्घाटन हुआ पूरा क्षेत्र मां के जयकारे गूंज उठा। बारिश के बावजूद भी श्रद्धालु मां के दर्शन को आने लगे। उद्घाटन उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने किया। इस दौरान एसडीओ और एडीएम भी मौजूद थे। इन्होंने पंडाल में बच्चों द्वारा पेश किए गए धुनुची नृत्य और डांडिया कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। एक तरफ पंडाल के साथ युवा सेल्फी लेने में व्यस्त दिखे वहीं बारिश में पंडाल परिसर में लगे फूड स्टॉल का श्रद्धालु लुत्फ उठा रहे थे।

हरमू पंच मंदिर में पूजा पंडाल का जैसे ही उद्घाटन हुआ, पूरा क्षेत्र मां के जयकारे से गूंज उठा। बारिश के बावजूद भी श्रद्धालु मां के दर्शन को आने लगे। पंएक तरफ पंडाल के साथ युवा सेल्फी लेने में व्यस्त दिखे वहीं बारिश में पंडाल परिसर में लगे फूड स्टॉल का श्रद्धालु लुत्फ उठा रहे थे। पंडाल की खूबसूरती देख मां के भक्तों ने इसे अद्भूत नजारा बताया। पंडाल के आसपास कई स्टॉल लगे हैं, जो लोगों को बरबस आकर्षित कर रहे हैं। अपर आजार क्षेत्र स्थित राजस्थान मित्र मंडल का पंडाल लोगों को साक्षर बनाने का संदेश दे रहा है। पंडाल का उदघाटन शुक्रवार को हुआ। उद्घाटन होते ही बड़ी संख्या में भक्त उमड़े। इसकी भव्यता और सजावट ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। परिसर में बनाए गए कई कलाकृतियों ने लोगों का मन मोह लिया और बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसके साथ तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। पंडाल उद्घाटन के पहले ही दिन आकर्षण का केंद्र बन गया था। आने वाले दिनों में यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

रातू रोड दुर्गा मंदिर स्थित आरआर स्पोर्टिंग पूजा समिति के भव्य पंडाल का पट आज शाम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने फीता काटकर पंडाल का उद्घाटन किया। मंच पर जाकर मां को नमन किया और आयोजन समिति ने चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। हल्की-हल्की बारिश और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह पूरा नजारा उद्भुत रहा। श्रद्धालु छतरियों और बारिश के बीच मां की एक झलक पाने को आतुर थे। पंडाल की खूबसूरती और लाइटिंग देख श्रद्धालु कहने लगे अद्भुत। बारिश कम होने पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी।

बालकृष्णा हाईस्कूल, अपर बाजार के प्रांगण में ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से भव्य पंडाल बनाया गया है। पंडाल सूप और बांस से बना है, जिसमें मिट्टी से बनी कई कलाकृतियां लोगों को लुभा रही हैं। साथ ही बंगाल के कारीगरों ने श्रीडी पेंटिंग की झलकियां भी दिखाई हैं। मां की मूर्ति 15 फीट की है। 3डी पेंटिंग में मां के भव्य रूप बहुत आकर्षक और मनोहारी है। मां रथ पर सवार सभी को आशीर्वाद दे रही हैं। उद्घाटन के बाद भजन संध्या पर सभी झूम उठे।

मेन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति पंडाल का उदघाटन शुक्रवार की शाम 7 बजे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष समेत अन्य लोग मौके पर मौजूद रहे। पूजा पंडाल के अंदर व बाहर भव्य तरीके से लाईटिंग की गई है। पंडाल खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई। जन्म से मृत्यु तक की जीवन यात्रा के थीम पर बनाए गए पंडाल को श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। पंडाल के अंदर दुर्गा मां की प्रतिमा के सामने सेल्फी लेने वालों की होड़ लग गई।

संक्षिप्त समाचार

पत्थर खनिज से संबंधित डीएसआर शीघ्र तैयार करने का निर्देश

पाकुड़ नगर, एजेंसी। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. बैठक में उपायुक्त ने पत्थर खनिज से संबंधित जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (डीएसआर) शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया और यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी मामला लंबित न रहे. उन्होंने स्पष्ट किया कि खनन पट्टा हेतु आवेदन पत्र की सभी वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद संचिका को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए. उपायुक्त ने बताया कि 10 जून से 15 अक्टूबर तक मॉनसून सत्र में एनजीटी के निर्देशानुसार नदी तल से बालू का उठाव व परिवहन पूर्णत: प्रतिबंधित है. उन्होंने खान निरीक्षकों को सतत निगरानी रखने और किसी भी परिस्थिति में अवैध बालू उठाव व परिवहन रोकने का निर्देश दिया. नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विधिसम्मत कार्रवाई तथा अवैध खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर सघन अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया. जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि स्क्रीनिंग समिति द्वारा की गयी स्थलीय जांच के आलोक में नियमानुसार आगे की कार्रवाई करें. उपायुक्त ने कहा कि सील की गयी क्रशर इकाइयों द्वारा यदि नियमों का पूर्ण पालन किया जाता है तो अधोहस्ताक्षरी से आदेश प्राप्त कर सीलमुक्त की प्रक्रिया की जाएगी.

जैक बोर्ड स्टूडेंट्स को बड़ी राहत, एडमिशन रेस में अब नहीं रहेंगे पीछे

रांची, एजेंसी। जैक बोर्ड बच्चे अब एडमिशन की दौड़ में दूसरे बोर्ड के बच्चों से नहीं पिछड़ेंगे. क्योंकि झारखंड एकडमिक काउंसिल इसे लेकर जल्द एक बैठक करने वाला है. जिसमें सुनिश्चित किया जाएगा कि परीक्षा संपन्न होने से लेकर रिजल्ट का प्रकाशन सही समय पर हो. मीटिंग में यह भी फैसला होगा साल 2026 की मैट्रिक और इंटर (10वीं-12वीं) की परीक्षा कब तक समापन करायी जाए. लेकिन जो जानकारी निकल कर सामने आ रही है उसके मुताबिक परीक्षा फरवरी के प्रथम सप्ताह से शुरू होकर 20 फरवरी तक खत्म करने की तैयारी है. विभाग द्वारा जैक को भेजे गये पत्र में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होने की सूचना दी गयी है. वहीं इससे पूर्व जैक द्वारा परीक्षा लेने के लिए तैयारी किये जाने का उल्लेख किया गया है. शिक्षा विभाग तैयारी कर रहा है कि राज्य के बच्चों को नामांकन में परेशानी नहीं हो. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव नौ अक्तूबर को झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. झारखंड के शिक्षा विभाग ने परीक्षा संपन्न कराने के संबंध में जैक सचिव को पत्र लिखा है. जैक सचिव को आगामी परीक्षा की पूरी कार्ययोजना के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है. बताते चलें कि सीबीएसई की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही है. मार्च के प्रथम सप्ताह में 10वीं की परीक्षा समाप्त हो जायेगी.

मानगो पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया भंडाफोड़-पांच आरोपी गिरफ्तार, सात मोटरसाइकिल बरामद

जमशेदपुर, एजेंसी। मशेदपुर के मानगो पुलिस ने शहर में सक्रिय एक बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की सात मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जुम्मन, सैयद मोसिन उर्फ विक्की, कादिर खान और आयान उर्फ छोटी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी लंबे समय से बाइक चोरी की वारदातों में शामिल थे और इनका आपराधिक इतिहास भी है। यह कार्रवाई मानगो थाना कांड संख्या 240/2025, दिनांक 25 सितंबर 2025 के तहत की गई। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें मानगो, आजादनगर, कदमा, एमजीएम, साकची और विष्णुपुर थाना क्षेत्रों में दर्ज पुराने आपराधिक मामले शामिल हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम करते थे और विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। एसपी कुमार शिवाशीष ने उम्मीद जताई है कि इस कार्रवाई से शहर में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगेगा।

रांची में अब से रात को चलेंगी सिटी बसें : 6 रूट पर मिलेगी सुविधा

रांची, एजेंसी। राजधानी में 10 से अधिक दुर्गा पूजा पंडालों के पट खुल गए हैं। शनिवार को भी कई पंडालों के पट खुलेंगे। इसके बाद पंडालों में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ेगा। शहर के आसपास के क्षेत्रों से भी काफी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन करने आएंगे। ग्रामीण क्षेत्र से आने वालों को वापस लौटने में दिक्कत न हो। इसलिए नगर निगम रात्रि बस सेवा की सुविधा उपलब्ध कराएगा। प्रशासक सुशांत गौरव के निर्देश पर 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक शहर के छह रूट पर 2-2 बसें चलेंगी।

रात 12 बजे तक या जब तक यात्री मिलेंगे, तब तक बस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बस में महिला, बुजुर्ग और बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। यात्रियों को बस के लिए निर्धारित किराए का भुगतान करना होगा। हालांकि, पूर्व में निगम की ओर से दुर्गा पूजा के मौके पर निःशुल्क सिटी बस की सुविधा उपलब्ध कराई

जाती थी।

इधर, पूजा पंडाल में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए आज से 3 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 8 से दूसरे दिन सुबह 4 बजे तक शहर में बड़े वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। बड़े वाहनों को रोकने के लिए लॉ यूनिवर्सिटी के पास, बोड़ेया रिंग रोड और बीआईटी रिंग रोड के पास, खेलगांव से कोकर मार्ग पर, दुर्गा सोरेन चौक से कांटाटोली मार्ग, दुर्गा सोरेन चौक से मकचुंद टोली मार्ग, रामपुर, खरसीदाग, ब्रिजफोर्ड स्कूल और सतरंजी के पास, बिरसा चौक और शहीद मैदान के पास ड्रॉप गेट लगाए गए हैं।

वहीं शहर में भी कचहरी चौक से शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक की ओर सभी प्रकार के निजी वाहन, ऑटो, ई-रिक्शा और छोटे मालवाहक वाहनों का परिचालन प्रतिदिन शाम 4 बजे से लेकर दूसरे दिन सुबह 4 बजे तक बंद रहेगा।

योगदा सत्संग की जगह संत पॉल्स मैदान में पार्किंग

चुटिया के योगदा सत्संग मठ मैदान में चिह्नित किए गए पार्किंग स्थल में बदलाव किया गया है। स्टेशन रोड पूजा पंडाल देखने पहुंचे वाहन सवार अब वहां गाड़ी पार्क नहीं कर सकेंगे। संत पॉल्स स्कूल मैदान में श्रद्धालु अपनी गाड़ी पार्क कर सकते हैं।

धनबाद के भूली बी ब्लॉक में पूजा पंडाल गिरा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के भूली बी ब्लॉक में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। तिरुपति बालाजी मंदिर की थीम पर बन रहा 110 फीट ऊंचा पूजा पंडाल अचानक धराशायी हो गया। लगभग 9.5 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा यह पंडाल पूरी तरह से गिर गया, हालांकि सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि पंडाल के फाउंडेशन में कमजोरी थी। लगातार बारिश के कारण इसकी संरचना और कमजोर हो गई थी। अचानक पूरे पंडाल की दीवारें और छत भरभराकर गिर पड़ीं। हादसे के वक्त पंडाल में अधिक भीड़ नहीं थी, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

पंडाल को पूरी तरह हटाने का काम शुरू

भूली बी ब्लॉक में हर साल धूमधाम से पूजा का आयोजन किया जाता है और इस बार समिति ने विशेष रूप से भव्य पंडाल का निर्माण कराया था। हादसे के बाद पूजा समिति ने पंडाल को पूरी तरह हटाने का काम शुरू कर दिया है। समिति का कहना है कि अब नई व्यवस्था पर निर्णय लेकर पूजा की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। स्थानीय मिथिलेश पासवान ने बताया कि यह पंडाल पिछले एक महीने से बन रहा था और 9.5 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि पंडाल की ऊंचाई 110 फीट थी और बेस कमजोर था। बारिश और हवा के कारण इसकी संरचना और भी कमजोर हो गई, जिससे पूरा पंडाल धराशायी हो गया। पासवान ने जोर दिया कि अगर यह घटना सप्तमी या अष्टमी के दिनों में होती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। इधर, शहर के अन्य हिस्सों से भी हादसों की सूचना मिली है। मटकुरिया और सरायढेला में बने लाइट गेट भी गिर गए, हालांकि वहां भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पाकुड़ में 36 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद

पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया, एसडीपीओ ने दी जानकारी

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ पुलिस ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 36 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ आजाद ने बताया कि ईशाकपुर गांव में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। एसपी निधि द्विवेदी को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से ब्राउन शुगर लाकर ईशाकपुर में उसकी खरीद-बिक्री की जा रही है।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए एक छापामारी दल का गठन किया गया और दंडाधिकारी की मौजूदगी में अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान ईशाकपुर निवासी मो. सफीकुल शेख को रंगेहाथ पकड़ा गया।

सफीकुल शेख की फर्नीचर की दुकान है : उसके पास से 36 पुड़िया ब्राउन शुगर के अलावा एक बिना नंबर की अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। गिरफ्तार सफीकुल शेख की फर्नीचर की दुकान है और वह पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। वह पिछले एक साल से इस कारोबार में लिप्त था। पूछताछ के दौरान उसने कई खुलासे किए हैं, जिनके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

शारदीय नवरात्र को लेकर भक्तिमय हुआ गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र, जुटे भक्त

गढ़वा, एजेंसी। शारदीय नवरात्र को लेकर गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंग गया है। नगर परिषद के 25 स्थानों पर इस बार भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। पंडालों की सजावट से लेकर मूर्तियों की स्थापना तक की तैयारियों में आयोजन समितियां दिन-रात जुटी हुई हैं। इस बार नगर परिषद क्षेत्र में पूजा-पंडाल निर्माण और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं पर अस्सी लाख रुपए तक की राशि खर्च होने का अनुमान है। कई स्थानों पर थीम आधारित पंडाल तैयार किए जा रहे हैं, जबकि कुछ समितियां पारंपरिक शैली को प्राथमिकता दे रही हैं। पंडालों को आकर्षक बनाने के लिए आधुनिक लाइटिंग, कपड़े की कारीगरी और फाइबर शीट का प्रयोग किया जा रहा है।

गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र में जय माता दी संघ सोनपुरवा, जय मां दुर्गा पूजा समिति बाजार समिति, जय मां वैष्णो संघ टंडवा, जय मां शेरावाली संघ भगलपुर टंडवा, जय भवानी संघ संगत मोहल्ला, देवी धाम सहिजना, राम दरबार सुतरी पट्टी, आजाद हिंद संघ खादी बाजार, अन्नपूर्णा दरबार गला पट्टी, जय गौरैया संघ टंडवा, जय भारत संघ टंडवा, मां दुर्गा पूजा समिति चित्रगुप्त मंदिर सहिजना, मां दुर्गा पूजा समिति शिव मंदिर चिनिया रोड, शिव शक्ति संघ नगवा, वाई जी ग्रुप इंदिरा गांधी रोड, विष्णु दरबार लोहा पट्टी, मां दुर्गा समिति चौधराना बाजार, ब्रह्म स्थान दुर्गा पूजा समिति, काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति चिनिया मोड़ व मां दुर्गा पूजा समिति नहर चौक के द्वारा पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में पूजा समिति के लोगों ने कहा कि पूजा पंडाल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है।

कुछ पूजा समिति के लोगों ने कहा कि षष्ठी तक पूजा पंडाल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं कुछ पूजा समिति के लोगों ने कहा कि सप्तमी तिथि तक पूजा पंडाल निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। पूजा समिति के लोगों ने कहा कि पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे और वॉलेंटियर की तैनाती की व्यवस्था की जाएगी। ताकि श्रद्धालुओं को भीड़भाड़ के समय किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। समिति के लोगों ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार अधिक खर्च हो रहा है। मूर्तियों की लागत से लेकर पंडाल निर्माण सामग्री तक, सबकी कीमतें बढ़ी हैं।

डॉक्टर पर हमले के विरोध में सदर अस्पताल में ओपीडी ठप

जामताड़ा, एजेंसी। सीएचसी नारायणपुर में पिछले दिनों डॉक्टर के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर जिलेभर के डॉक्टरों में आक्रोश है। जिले भर के चिकित्सकों ने ओपीडी सेवा बंद रखी और विरोध दर्ज किया। सदर अस्पताल सहित सभी सीएचसी में ओपीडी सेवा ठप रही। हालांकि सभी जगह इमरजेंसी सेवा बहाल रही, जहां लोगों ने अपना इलाज कराया। वहीं मिहिजाम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने काला बिल्ला लगाकर और ओपीडी सेवाएं बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व डॉ विशाल देसोंधी ने किया। डॉ विशाल ने कहा कि मारपीट की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक न तो कोई गिरफ्तारी हुई और न ही कोई कानूनी कार्रवाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को राज्य स्तर तक ले जाया जायेगा।

26 वर्षीय युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या, घर में पसरा मातम

रांची, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। खूंटपानी प्रखंड के गालूबासा गांव में गुरुवार देर रात 26 वर्षीय युवक टूरा गोप ने करम पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के सामने आने के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है और लोग स्तब्ध हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, टूरा गोप गुरुवार देर रात गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित करम पेड़ के पास गया था। वहां उसने किसी को बिना बताए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार की सुबह जब गांव के कुछ युवा रोजाना की तरह फुटबॉल खेलने जा रहे थे, तभी उनकी नजर करम पेड़ से लटकते शव पर पड़ी। यह दृश्य देखकर वे दंग रह गए और तत्काल गांव के मुंडा राबिन बानरा को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मुंडा ने इसकी खबर पांड्रासाली ओपी को दी।

ओपी प्रभारी मृणाल कुमार तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मृतक के चाचा मुनिलाल गोप ने बताया कि टूरा गोप की मानसिक स्थिति पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। वह विवाहित था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। इतना ही नहीं, उसकी पत्नी इस समय गर्भवती है। अचानक लिए गए इस कदम से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव के लोग भी इस घटना से गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टूरा गोप शांत और मिलनसार स्वभाव का था। हालांकि बीते कुछ समय से वह अक्सर उदास और तनावग्रस्त दिखाई देता था। परिवारजन और ग्रामीण अब यह सोचकर परेशान हैं कि आखिर किस कारणवश उसने यह कदम उठाया।

फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आत्महत्या के पीछे की असली वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है। वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। टूरा गोप की असमय मौत ने न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे गांव को हिला कर रख दिया है।

जेएसएससी ने जारी किया सहायक आचार्य नियुक्ति का संशोधित परिणाम, 2748 अभ्यर्थी सफल, 16653 पद रह गए खाली

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य नियुक्ति के तहत सामाजिक विज्ञान विषय का भी परिणाम जारी कर दिया है। इस संशोधित परिणाम में कुल 2748 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए हैं।

इससे पूर्व आयोग द्वारा जारी परिणाम में 3033 अभ्यर्थी सफल हुए थे। इस तरह संशोधित परिणाम में पूर्व के परिणाम की तुलना में 285 अभ्यर्थी कम उत्तीर्ण हुए। आयोग ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश के आलोक में संशोधित परिणाम जारी किया।

इससे पहले जारी परिणाम में सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश के विरुद्ध जेटेट उत्तीर्ण कई आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को दोहरा आरक्षण का लाभ दे दिया गया था।सामाजिक विज्ञान विषय का संशोधित परिणाम जारी होने के साथ ही सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो गई है।

कुल 26001 पदों के विरुद्ध 9348 अभ्यर्थियों का चयन ही इस परीक्षा के लिए हो

सका। इस तरह, 16653 पद रिक्त रह गए। इनमें अधिसंख्य पद पारा शिक्षक श्रेणी के सम्मिलित हैं। बताते चलें कि इस नियुक्ति में 50 प्रतिशत पद समग्र शिक्षा अभियान के तहत कार्यरत पारा शिक्षकों के लिए आरक्षित किए गए थे।

इससे पहले आयोग ने इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य तथा स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के तहत गणित एवं विज्ञान तथा भाषा विषय का परिणाम जारी किया था। इनमें से कुछ अभ्यर्थियों को

नियुक्ति पत्र दिया गया है। दुर्गा पूजा के बाद रांची में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर सभी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है।

कोर्ट के आदेश से प्रभावित होगा परिणाम

सहायक आचार्य नियुक्ति मामले में अभी भी झारखंड उच्च न्यायालय में दो याचिकाओं में सुनवाई चल रही है। आयोग ने कहा है कि न्यायालय द्वारा पारित अंतिम आदेश से उक्त परिणाम में संशोधन हो सकता है। साथ ही आवंटित जिला में भी संशोधन हो सकता है।

साथ ही बिप्लव दत्ता एवं अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य मामले में पारित आदेश के आलोक में कतिपय अभ्यर्थियों का परिणाम रिक्ति सहित लंबित रखा गया है। संबंधित मामले में दायर किए जाने वाले अपील याचिका के अंतिम आदेश से भी इस परिणाम में संशोधन हो सकता है।

साथ ही अनिवार्य प्रमाण पत्रों/अभिलेखों की अनुपलब्धता/अस्पष्टता के आलोक में भी कई अभ्यर्थियों का परिणाम में लंबित रखा गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देश पर निर्णय के बाद परिणाम में संशोधन हो सकता है।

इन टिप्स को फॉलो करके बढ़ाएं अपना कॉन्फिडेंस

आमतौर पर कई लोगों को दूसरे व्यक्ति से बात करने में काफी झिझक होती है। वे लोग सामने वाले व्यक्ति से बात करने के लिए काफी सोचते हैं कैसे बात करें। अगर आप भी इन्हीं में से हैं तो आप इन टिप्स को फॉलों करें।

जब कॉन्फिडेंस की कमी हो तो आपकी पर्सनैलटी काफी कमजोर दिखाई देती है। अगर आप भी किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने के दौरान झिझकतें है तो यह अच्छा नहीं है। वहीं किसी से बात करते समय झिझकना आपकी पर्सनैलिटी पर बुरा प्रभाव डल देता है। आज हम इस लेख में आपको बताएंगे कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप फॉलो करते अपनी व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं।

सेल्फ टॉक करें

जब आप दूसरे से बात करते समय काफी झिझकते हैं, तो आप इसके लिए सेल्फ टॉक करने की आदत डालें। रोजाना शीशे में खुद से बात करें। ऐसा करने से आपको कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और झिझक दूर होगी। कई बार होता है कि किसी से बात करें तो डरे नहीं और सहज रहने की कोशिश करें, क्योंकि डरने से हमारा कॉन्फिडेंस लेवल डाउन हो जाता है।

ज्ञान रखना जरुरी

आप हमेशा याद रखें कि जितना ज्ञान होगा उतना ही जुबान चलती है। हो सके ज्ञान हासिल करने का प्रयास करें। क्योंकि इससे बोलने के अंदाज में निखार आता है और हम आसानी से अपनी बात सामने वाले के समाने रख पाते हैं।

जर्मनी को बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर देख रहे हैं दुनिया भर के छात्र

जर्मनी तेजी से दुनिया भर के छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। जर्मनी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर दिया जाता है। इससे दुनिया भर के छात्र बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर जर्मनी को देख रहे हैं। साल दर साल के हिसाब से जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या 7 फीसदी के हिसाब से बढ़ रही है। जर्मनी की ओर आकर्षित होने के कई कारण हैं जिनमें से कुछ हायर एजुकेशन की कम फीस, पढ़ने के बाद आसानी से वर्क परमिट मिलना आधि शामिल हैं। देश की नीति भी छात्रों के हित में रहती है। इससे जर्मनी पहुंचने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में और बढ़ोतरी हुई है।

एचडब्ल्यूके फेलोशिप

एचडब्ल्यूके स्कॉलरशिप काफी योग्य वैज्ञानिकों को दी जाती है। फेलोशिप प्रॉजेक्ट के आधार पर जर्मनी में पढ़ने के लिए रेग्युलेर फेलोशिप और जूनियर फेलोशिप तीन और 10 महीने के लिए दी जाती है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

यह स्कॉलरशिप मैनहीम यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू की गई है। यह मेरिट आधारित स्कॉलरशिप है। ग्रैजुएशन, पोस्ट ग्रैजुएशन आदि की पढ़ाई करने वाले छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। करीब 24,000 रुपये हर महीने स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

तीन सालों के लिए यह फेलोशिप विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी द्वारा पीएचडी फेलोज को दी जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए लाइफ साइंस के किसी भी विषय में डिग्री जरूरी होनी चाहिए। इस फेलोशिप में हर साल करीब 4 लाख रुपये रिसर्च के खर्च, यात्रा आदि पर खर्च के लिए दिए जाते हैं।

साइंस और इंजिनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इस इंटर्नशिप के साथ जर्मनी में मौजूदा रिसर्च परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, साइंटिस्ट्स या प्रफेसरों के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैथमेटिक्स, इंजिनियरिंग और साइंस के स्टूडेंट फाइनल इयर में या उससे पहले साल में इन इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल अलाउंस के तौर पर हर महीने में करीब 50 हजार रुपये मिलता है।

हमबोल्ड्ट रिसर्च ट्रैक स्कॉलरशिप

यह स्कॉलरशिप उन पीएचडी आवेदकों के लिए हैं जो जर्मनी में पढ़ना चाहते हैं। किसी भी डिसिप्लिन में मास्टर डिग्री धारक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें 6 महीने तक करीब 63 हजार रुपये तक मिलते हैं। करीब 32 हजार रुपये हर महीने चुने हुए स्कॉलर के बच्चों के खर्च के लिए दिए जाते हैं।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के जूनियर साइंटिस्ट बायॉमेडिकल रिसर्च के लिए इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा कते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लैब/फील्ड एक्सपेरिमेंट्स के लिए फंड दिया जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत करीब 1.20 लाख रुपये मासिक भत्ता, करीब 12 हजार रुपये अनुसंधान भर्ता और 24 महीने की अवधि के लिए पत्नी और बच्चों के अन्य भत्ते दिए जाते हैं।

आइंस्टाइन फेलोशिप, जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम और डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइसेंज या नैचरल साइसेंज के छात्रों को ये फेलोशिप देता है। फेलोशिप के तहत छात्रों को मासिक भत्ता और रिसर्च फंड मिलता है। इस फेलोशिप के लिए छात्रों के पास पीएचडी डिग्री होना जरूरी नहीं है। इस फेलोशिप में करीब 8 लाख रुपये स्टाइपेंड एक ही बार दिया जाता है। इसके अलावा 5-6 महीनों के लिए यात्रा का रीइम्बर्समेंट और आवास की सुविधा मुहैया कराई जाती है।

यूपीएससी के बेहतर विकल्प हो सकते हैं ये करियर

यूपीएससी परीक्षा लगभग हर भारतीय छात्रों की पहली च्वॉइस होती है। हालांकि, इसमें सफलता पाना बहुत कठिन होता है। कई छात्र तैयारी तो करते हैं, लेकिन कुछ अंक से पीछे रह जाते हैं। यही नहीं, कुछ छात्र लगातार असफलता पाने के बाद इतने निराश हो जाते हैं कि वो डिप्रेशन का शिकार तक होने लगते हैं। हालांकि, ये जरूरी नहीं कि आप आईएस नहीं बन पा रहे हैं, तो आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं।

यूपीएससी की तैयारी करने वाले असफल हो रहे छात्र इसके अलावा भी करियर विकल्प को सिलेक्ट कर सकते हैं। अगर आप यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं और उसमें सक्सेस नहीं हो पा रहे हैं, तो आपके लिए नौकरियों के अन्य विकल्प भी हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं, जो आपके लिए काम के हो सकते हैं।

शिक्षा क्षेत्र में सरकारी या गैर सरकारी नौकरी

अगर आप यूपीएससी की परीक्षा में हर बार चुक जा रहे हैं, तो आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप अपने करियर के लिए अन्य विकल्प भी चुन सकते हैं। आप एक शिक्षक भी बन सकते हैं। आप अपना कोचिंग सेंटर भी चला सकते हैं। आप चाहें तो ऑनलाइन क्लासेस भी ले सकते हैं।

पुलिस सेवाएं

अगर आप यूपीएससी की परीक्षा में लगातार फेल हो रहे हैं, तो आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप इसके अलावा पुलिस में भर्ती होकर भी देश की सेवा कर सकते हैं। परीक्षा के लिए आपको थोड़ा बहुत सेट प्रैक्टिस और जनरल नॉलेज से जुड़ी चीजों को पढ़ना होगा।

आर्मी में भर्ती

यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए आर्मी में नौकरी पाना थोड़ा आसान हो सकता है, क्योंकि इसके सिलेबस यूपीएससी की अपेक्षा थोड़े आसान होते हैं। ऐसे में, आप सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर सकते हैं।

पत्रकारिता में करियर

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करके अब हार मान चुके हैं, तो भी आपको बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप इसके बाद भी अपने करियर में नया मोड़ ला सकते हैं। चूंकि यूपीएससी की पढ़ाई करने वाले छात्रों के पास बहुत नॉलेज होती है। ऐसे में, आप पत्रकार बन सकते हैं। पत्रकार को हर तरह से नॉलेजबल होना जरूरी होता है। पत्रकारिता का कोर्स करके आप समाचार पत्रों या न्यूज़ चैनलों में काम कर सकते हैं।

भारत में इंजीनियरिंग करने के बाद क्यों नहीं मिल रही नौकरी?

हर साल हजारों की तादाद में छात्र इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर कॉलेज से पास आउट होते हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कोई आसान नहीं होती। हालांकि, इतना कुछ करने के बाद भी कई लोग ऐसे हैं जिन्हें नौकरी नहीं मिलती हैं। चलिए जानते हैं आखिर क्यों भारत में इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों को नौकरी के लिए भटकना पड़ रहा है।

आंकड़ों के अनुसार 3.5 लाख से 4 लाख इंजीनियर प्रति वर्ष इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करते हैं। ऑर्गनाइज्ड रिक्रूटमेंट के आंकड़े बताते हैं कि इनमें से लगभग 1.5 लाख को जॉब मिल जाता है वहीं बाकी के छात्रों को जॉब के लिए काफी भटकना पड़ता है। ऐसे में इन छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना होता है। कई छात्र नौकरी ना मिलने पर अपनी फिल्ड भी चेंज कर लेते हैं। इस फिल्ड में आने वाले अधिकांश बच्चों के साथ ऐसा होता है। खासकर ज्यादा दिक्कत उन लोगों को आती हैं जिनके पास अनुभव नहीं होता है। कई छात्र को सालों तक इंटर्नशिप करना होता है। सालों तक इंटर्नशिप करने के बाद भी जरूरी नहीं की प्राइवेट कंपनी आपको नौकरी दे ही देगी। कम पद होने के कारण कंपनी अगर आपको हायर करती हैं तो वह काफी कम सैलरी देते हैं। कंपनी योग्यता से ज्यादा पैकेज देखती हैं जो व्यक्ति कम सैलरी पर राजी हो जाता है कंपनी उनको ही हायर करने का सोचती हैं। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि- इंजीनियर की बाढ़ को देखते हुए अब कंपनी ने अपना रिक्रूटमेंट पैटर्न को बदल दिया है। इतना ही नहीं उनका यह भी कहना है कि आजकल के छात्र कम मेहनत में ज्यादा सैलरी चाहते हैं। जो कि बिलकुल भी संभव नहीं हैं। वहीं कई एचआर का कहना है कि कैंडिडेट इंटरव्यू तक क्लियर नहीं कर पाते हैं।

इंजीनियरिंग क्यों है नौकरी छोड़ने पर मजबूर बता दें कि एक जमाने में सभी छात्र इंजीनियरिंग करने की चाह रखते हैं। हालांकि, अब देखें तो इंजीनियरिंग के छात्र भी अपनी नौकरी छोड़कर दूसरे फिल्ड में जाने का सोच रहे हैं। ऐसे में कई बड़े कॉलेज को भी इससे असर हुआ है। एडमिशन ना होने को कारण कई कॉलेज पर ताला तक लग चुका है।

इंजीनियर को नौकरी ना मिलने का कारण

- इंजीनियरों की अधिक आपूर्ति
- उद्योग-प्रासंगिक कौशल का अभाव
- सॉफ्ट स्किल का अभाव
- प्रतिकूल आर्थिक स्थितियां

ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से भारत में इंजीनियरिंग छात्रों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। यहां जानिए कुछ सामान्य कारण -

- सरकारों को कौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहिए।
- उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है।
- इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए।

भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए फर्स्टक्राई पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए डिजिटल एज रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (फर्स्टक्राई) पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में सीसीपीए की ओर से यह बात कही गई। बयान के अनुसार गलत और भ्रामक मूल्य प्रस्तुतीकरण के लिए डिजिटल एज रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (फर्स्टक्राई) पर 2,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह आदेश उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 10, 20 और 21 के तहत पारित किया गया है। सीसीपीए ने डिजिटल एज रिटेल (फर्स्टक्राई) के खिलाफ अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने और अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने के लिए आदेश जारी किया है। प्राधिकरण ने कंपनी को इस प्रथा को सुधारने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मूल और रियायती मूल्य, दोनों में सभी कर शामिल हों। कंपनी को कहा गया कि अतिरिक्त शुल्क का साफ उल्लेख किया जाए। यह कार्रवाई एक उपभोक्ता की शिकायत के आधार पर की गई थी कि फर्स्टक्राई ने उत्पादों को सभी करों सहित एमआरपी के साथ प्रदर्शित किया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के आंकड़ों से समर्थित जांच से पता चला है कि एमआरपी पर छूट का विज्ञापन करने, लेकिन रियायती मूल्य पर अलग से जीएसटी वसूलने से उपभोक्ताओं को मिलने वाला लाभ काफी कम हो गया। उदाहरण के लिए, 27 प्रतिशत छूट के साथ विज्ञापित उत्पाद जीएसटी लागू होने के बाद प्रभावी रूप से केवल 18.2 प्रतिशत छूट पर बेचे गए। सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(28) के तहत भ्रामक मूल्य निर्धारण, भ्रामक विज्ञापन और धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं के कारण यह कार्रवाई की है।

नीरव मोदी के बहनोई को सीबीआई कोर्ट से मिली माफी, बनाया जाएगा सरकारी गवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई की एक विशेष अदालत ने करोड़ों डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मामले में फरार कारोबारी नीरव मोदी के बहनोई मयंक मेहता को माफी दे दी है। इसके साथ ही वे सरकारी गवाह बन गए हैं। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एवी गुजराती ने 22 सितंबर को मेहता की क्षमादान याचिका को इस शर्त पर स्वीकार कर लिया कि वह अपराध और संबंधित प्रत्येक अन्य व्यक्ति के संबंध में अपनी जानकारी में आने वाली सभी परिस्थितियों का पूर्ण और सच्चा खुलासा करेंगे। आदेश में कहा गया है कि क्षमादान के बाद आरोपी को मामले में सरकारी गवाह के रूप में चिह्नित किया जाएगा। इसकी एक प्रति शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई। ब्रिटिश नागरिक और लगभग 35 वर्षों से हांगकांग में रहने वाले मेहता, भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र), 420 (धोखाधड़ी), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) मामले में आरोपी हैं। अपनी याचिका में मेहता ने दलील दी कि उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों में पहले ही क्षमादान दिया जा चुका है। सीबीआई से जुड़ा मामला भी वही है। मेहता ने यह भी कहा कि वह कार्यवाही में भाग लेने के लिए स्वेच्छा से सितंबर 2021 में भारत आए थे। मेहता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अमित देसाई ने कहा कि आरोपी ने अभियोजन पक्ष और भारत सरकार को कई पहलुओं में सहायता की है।

दुनियाभर में सालाना 2.70 लाख करोड़ की दवाएं बेचता है भारत

अमेरिकियों को चुकानी होगी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ब्रांडेड व पेटेंट दवाओं पर सौ फीसदी आयात शुल्क की घोषणा के लिए अमेरिकी परिवारों को ही भारी कीमत चुकानी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत से अमेरिका निर्यात होने वाली दवाओं में 80 फीसदी जेनेरिक हैं जिनके बारे में ट्रंप ने चर्चा तक नहीं की।

दूसरा ज्यादातर बड़ी दवा कंपनियां डॉ रेड्डीज, ल्यूपिन, अरबिंदो, सन फार्मा, सिप्ला और जाइडस की फैक्टरियां अमेरिका में मौजूद हैं जिन्हें ट्रंप ने इस टैरिफ से बाहर रखा है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, अमेरिका सहित पूरी दुनिया को भारत सबसे कम दाम पर दवाएं देता है, इसके बारे में डोनाल्ड ट्रंप भली भांति जानते हैं। अगर अमेरिका जेनेरिक दवाओं पर शुल्क बढ़ाता है तो उसका सीधा नुकसान वहां के मरीजों और परिवारों पर पड़ेगा। उन्हें इन दवाओं के लिए अधिक कीमत देनी होगी। मंत्रालय से साझा आंकड़ों के मुताबिक भारत हर साल पूरी दुनिया को 2.70 लाख करोड़ रुपये की दवाएं दे रहा है जिसमें 93 हजार करोड़ रुपये की दवाएं अमेरिका जा रही हैं। इसमें 65 हजार करोड़ रुपये की दवाएं जेनेरिक हैं जिन्हें ट्रंप ने 100 फीसदी टैरिफ से बाहर रखा है। इस साल की पहली छमाही में भारत पहले ही अमेरिका को तीन हजार करोड़ रुपये का निर्यात कर चुका है। अमेरिका

में सबसे अधिक दवाएं गुजरात और तेलंगाना से जा रही हैं। यह दोनों राज्य मिलकर कुल 1.06 लाख करोड़ रुपये की दवाएं निर्यात कर रहे हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु सहित भारत के 30 राज्यों में करीब 10 हजार से अधिक एमएसएमई कंपनियां जेनेरिक दवाओं का उत्पादन कर रही हैं। अधिकारी ने कहा, सुर्खियों में रहने के लिए ट्रंप ने टैरिफ को पकड़ लिया है। वह आए दिन इसका इस्तेमाल भारत के लिए कर रहे हैं, जबकि भारत का दवा कारोबार सिर्फ अमेरिका पर निर्भर नहीं है। ट्रंप का यह फैसला भारत के फार्मा उद्योग को झटका देने से ज्यादा अमेरिका की दवा नीति पर सवाल खड़ा करता है। टैरिफ की घोषणा के बाद, शुक्रवार को उन प्रमुख फार्मा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई, जिनका अमेरिकी बाजार में बड़ा कारोबार है। सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ल्यूपिन और सिप्ला समेत अन्य कंपनियों के शेयर 9.40 फीसदी तक टूट गए।?निफ्टी फार्मा इंडेक्स भी लुढ़क गया।

भारत की बदौलत अमेरिका ने बचाए 115 लाख करोड़

भारत में आयात शुल्क पर ट्रंप पूरी दुनिया में चर्चा कर रहे हैं लेकिन उन्होंने अब तक यह आंकड़े साझा नहीं किए कि भारत से जाने वाली दवाओं के जरिये अमेरिका को कितना लाभ हुआ है? इस बारे में भारत के केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि साल 2013 से 2022 के बीच भारत से अमेरिका जाने वाली दवाओं ने 1.3 लाख करोड़ डॉलर (115.3 लाख करोड़ रुपये) की बचत कराई है और 2022 में भारतीय दवाओं से अमेरिका को भारी बचत हुई थी।

आत्मनिर्भर बनने का अवसर

प्रमुख उद्योगपति निरंजन हीरानंदानी ने नए टैरिफ को एक तरह से भारत के लिए अच्छा अवसर बताया है। उन्होंने कहा, यह कदम भारत को अपनी विनिर्माण क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जल्द हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। यह फैसला भारतीय कंपनियों को अपने व्यापार मॉडल और निर्माण को लेकर रणनीतिक पुनर्गठन के लिए मजबूर करेगा।

2024 में अमेरिका ने किया 233 अरब डॉलर का आयात : अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में अमेरिका ने लगभग 233 अरब डॉलर की दवाइयों और औषधीय उत्पादों का आयात किया। कुछ दवाओं की कीमतें दोगुनी होने की संभावना अमेरिकियों को चौंका सकती है क्योंकि स्वास्थ्य देखभाल के खर्च के साथ-साथ मेडिकेयर और मेडिकेड की लागत भी बढ़ सकती है।

जैन ने अपनी शिकायत में कई दस्तावेज जमा किए हैं, जिनमें चार इस्तीफे के पत्र भी शामिल हैं

इंडसइंड बैंक में 10 साल से चल रहा था अकाउंटिंग गड़बड़ी का खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक में 10 साल से अकाउंटिंग गड़बड़ी का खेल चल रहा था। यह खुलासा बैंक के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी और व्हिसलब्लोअर गोबिंद जैन ने किया है। गोबिंद जैन ने मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेज विंग के सामने आरोप लगाया है कि बैंक की डेरिवेटिव्स पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग गड़बड़ी साल 2015 से चली आ रही है और इसकी जानकारी तत्कालीन बोर्ड, वरिष्ठ प्रबंधन और पूर्व वित्त प्रमुख एसवी जरेगांवकर को थी।

जैन ने अपनी शिकायत में कई दस्तावेज जमा किए हैं, जिनमें चार इस्तीफे के पत्र भी शामिल हैं। इनमें उन्होंने बार-बार तत्कालीन एमडी और सीईओ सुमंत काथपालिया से आग्रह किया था कि स्वतंत्र ऑडिटर नियुक्त कर मामले की जांच कराई जाए। बैंक के प्रवक्ता ने कहा है कि मामले की जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को दी गई है और इसे 'फ्रॉड' की श्रेणी

में रिपोर्ट किया गया है। साथ ही कानून के मुताबिक शिकायतें संबंधित एजेंसियों को सौंपी गई हैं।

गोबिंद जैन ने सबसे पहला इस्तीफा 11 जून 2024 को सौंपा था। उस वक्त जैन ने साफ कहा था कि वे जून तिमाही के नतीजों पर साइन नहीं करेंगे लेकिन काथपालिया ने उनका इस्तीफा रोक लिया। इसके बाद 20 अगस्त 2024 को जैन ने दूसरा इस्तीफा भेजा और लिखा कि वे अब आगे काम करने में असहज महसूस कर रहे हैं। 29 सितंबर 2024 को भेजे गए पत्र में उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र ऑडिट जरूरी है, वरना बैंक को गंभीर नुकसान झेलना पड़ सकता है। जैन ने पत्र में लिखा कि यह स्थिति उनके करियर और प्रतिष्ठा के लिए घातक साबित हो सकती है। 30 सितंबर 2024 को भेजे गए पत्र में उन्होंने फिर चेतावनी दी कि यदि पीडब्ल्यूसी द्वारा ऑडिट शुरू नहीं किया गया तो वे इस्तीफा देने को मजबूर होंगे। आखिरकार, 17 जनवरी 2025 को जैन का इस्तीफा स्वीकार किया गया। इसके बाद, 10 मार्च 2025 को बैंक ने खुलासा किया कि डेरिवेटिव्स लेन-देन में गड़बड़ी के कारण उसे 1,577 करोड़ रुपये का झटका लग सकता है। बाद में कई ऑडिट के बाद बैंक ने मार्च तिमाही के नतीजों में करीब 2,000 करोड़ रुपये का एकमुश्त घाटा दर्ज किया। पूछताछ के दौरान कई अधिकारियों ने आरोप लगाया कि जैन के दबाव डालने के बाद शीर्ष अधिकारियों ने समय रहते शेयर बेच दिए।

कम समय में डिलीवरी देने वाले प्लेटफॉर्म युवाओं की पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्नोलॉजी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ क्विक कॉमर्स भी उत्पादों की डिलीवरी में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। 13 से 28 साल के युवा सबसे कम समय में डिलीवरी करने वाले प्लेटफॉर्म को तवज्जो दे रहे हैं। इन्हीं प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा विजिट हो रहा है। आने वाले समय में कुछ घंटों में मिलने वाली डिलीवरी पर ही ई-कॉमर्स कंपनियों का फोकस होगा।

विभिन्न रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन से लेकर ग्रॉसरी व ब्यूटी से पर्सनलर केयर जैसे उत्पाद कुछ मिनटों में ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उदाहरण के तौर पर शिपरॉकेट का औसत डिलीवरी समय 24 घंटे से लेकर 3.5 दिन है। मासिक एक से 1.5 करोड़ लेनदेन करने वाले शिपरॉकेट के पास चार लाख रिटेलर हैं। शिपरॉकेट डीटूसी ब्रांड और छोटे एवं मझोले उद्योगों के साथ मिलकर काम करता है। शिपरॉकेट के सह-संस्थापक एवं सीओओ गौतम कपूर कहते हैं, भारत का क्विक कॉमर्स बाजार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। फिर भी, देश का अधिकांश फुलफिलमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर पुरानी प्रणालियों और ग्राहकों से दूर स्थित इन्वेंट्री पर आधारित है। ग्राहकों की जरूरतों और खुदरा विक्रेताओं की आपूर्ति के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। शिपरॉकेट इसी अवसरों का लाभ उठाकर कम समय में आपूर्ति सुनिश्चिता करता है और मिनटों में भी डिलीवरी कर देता है।

इराक-कुर्द क्षेत्र के बीच तेल निर्यात दो साल बाद फिर शुरू

● अमेरिका ने भी किया समर्थन ● प्रतिदिन 2.4 लाख बैरल का लक्ष्य ● त्रिपक्षीय समझौता और कंपनियों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इराक ने एलान किया है कि वह दो साल से ज्यादा समय से बंद पड़े तेल निर्यात को फिर से शुरू करेगा। यह निर्यात उत्तरी कुर्दिश क्षेत्र से तुर्किए के जेहान बंदरगाह के जरिए किया जाएगा। शनिवार सुबह छह बजे से पंपिंग शुरू होगी। इस कदम को इराक की तेल आमदनी बढ़ाने और बगदाद व कुर्दिश प्रशासन के बीच रिश्तों को संतुलित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

तेल निर्यात की शुरुआत 2023 की शुरुआत में रुकी थी, जब अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य मंडल ने इराक के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह मामला कुर्दिश प्रशासन के स्वतंत्र रूप से तेल बेचने से जुड़ा था। अब बहाली से इराक की आय में वृद्धि होगी और

वैश्विक बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी।

इराक के स्टेट ऑयल मार्केटिंग ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख अली नजर अल-शतारी ने कहा कि प्रतिदिन 2.4 लाख बैरल पंप करने का लक्ष्य है। इनमें से करीब 1.8 से 1.9 लाख बैरल निर्यात होंगे, जबकि 50 हजार बैरल कुर्द क्षेत्र में स्थानीय खपत के लिए रखे जाएंगे।

यह समझौता इराकी तेल मंत्रालय, कुर्द क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों के बीच हुआ है। कंपनियों को उत्पादन और परिवहन की लागत के लिए प्रति बैरल 16 डॉलर दिए जाएंगे। नॉर्वे की कंपनी डीएनओ ने भी निर्यात की तैयारी शुरू कर दी है।

तेल निर्यात बहाली से न केवल इराक की आर्थिक स्थिति सुधरेगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी स्थिरता आएगी। हालांकि राजस्व बंटवारे और प्रबंधन को लेकर विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम दोनों पक्षों के बीच भरोसे की नींव मजबूत कर सकता है।

अमेरिका की भूमिका और समर्थन

इराकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका ने इस समझौते की निगरानी की और इसे समर्थन दिया। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे दोनों देशों के लिए लाभकारी बताया। इराक और तुर्की के बीच मौजूदा निर्यात समझौता जुलाई 2026 तक मान्य है। इसके नवीनीकरण पर बातचीत आगे होगी।

लंबे समय से जारी विवाद

इराक और कुर्दिश प्रशासन के बीच तेल राजस्व को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। 2014 में कुर्दिश क्षेत्र ने स्वतंत्र पाइपलाइन के जरिए जेहान बंदरगाह तक तेल पहुंचाना शुरू किया था। बगदाद ने इसे अवैध बताया, जबकि कुर्द अधिकारियों का कहना था कि बजट फंडिंग न मिलने की वजह से यह जरूरी कदम था।

वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही के लिए 6.77 लाख करोड़ उधार लेने की योजना

वित्त मंत्रालय ने दी जानकारी

ई दिल्ली, एजेंसी।
द्र सरकार चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में .77 लाख करोड़ रुपये उधार लेगी। इससे चालू त्त वर्ष के लिए कुल उधारी में 10,000 करोड़ पये की कमी आएगी। वित्त मंत्रालय ने अपने एक यान में यह बताया है।

2025-26 के बजट में सरकार ने 14.82 लाख रोड़ रुपये की सकल उधारी की योजना बनाई थी। लांकि, पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 5,000 रोड़ रुपये कम उधार लिए हैं और दूसरी छमाही अक्तूबर-मार्च) के अनुमानों में भी इतनी ही कमी ी गई है। इस तरह, चालू वित्त वर्ष मेंए कुल उधारी 4.72 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, भारत रकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही) में नांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से 6.77 लाख रोड़ रुपये उधार लेने की योजना बनाई है, जिसमें ॉविरेन ग्रीन बॉन्ड (एसजीआरबी) जारी करने के ाध्यम से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

पहली छमाही में सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपये धार लेने की योजना बनाई थी, जिसमें से उसने

7.95 लाख करोड़ रुपये उधार लिए।

6.77 लाख करोड़ रुपये का सकल बाजार उधार 6 मार्च, 2026 तक 22 साप्ताहिक नीलामियों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि इस वर्ष के लिए कुल सकल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये है। यह प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है। ठाकुर ने कहा, सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य राजकोषीय घाटा (व्यय और राजस्व के बीच के अंतर) को वित्त वर्ष 2026 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत तक लाना है, जो वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत था।

गणित में एमएससी की डिग्री, बिजनेस में लगा दिया फॉर्मूला... सालाना 3 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है हरियाणा के सिरसा जिले के गांव रूपावास के रहने वाले अक्षय कुमार जेवलिया की। उन्होंने हाई एजुकेशन के बाद भी नौकरी की लकीर पर चलने से इनकार कर दिया। गणित विषय में एमएससी की डिग्री होने के बावजूद अक्षय ने अपने पुश्तैनी काम पशुपालन में ही अपना भविष्य देखा। उनकी दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत ने एक छोटे से पारिवारिक काम को 3 करोड़ रुपये सालाना के बड़े व्यवसाय में बदल दिया। इसने यह साबित किया कि पारंपरिक पेशे को भी आधुनिक सोच से सोने की खान बनाया जा सकता है। आइए, यहां अक्षय कुमार जेवलिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी की जगह पुश्तैनी काम

गणित विषय में एमएससी की अच्छी-खासी डिग्री हासिल करने के बाद जहां आमतौर पर युवा नौकरी की तलाश में भागते हैं, वहीं अक्षय कुमार जेवलिया ने 2017 में एक साहसिक फैसला लिया। उनके परिवार के पास पहले से 6 पशु थे। लेकिन, अक्षय ने इसे एक छोटे काम के बजाय बड़े बिजनेस के रूप में देखा। उन्होंने दो और भैंसें खरीदीं और कुल 8 भैंसों के साथ अपना डेयरी फार्म शुरू किया। शुरुआत में वह सिर्फ 40 लीटर दूध बेच पाते थे। अक्षय को पशुओं से बचपन से ही लगाव था। अच्छी नस्लों और उनकी देखभाल का उनका पुश्तैनी ज्ञान ही उनकी पहली पूंजी बना। उन्होंने नौकरी की सुरक्षा को ठुकरा कर एक बड़े उद्यम की नींव रखी।

मेहनत और ज्ञान से बढ़ी तरक्की

अक्षय की मेहनत जल्द ही रंग लाई। पशुओं के प्रति उनका लगाव और वैज्ञानिक समझ उनके काम आई। उन्होंने न सिर्फ पशुओं की संख्या बढ़ाई, बल्कि उनके लिए अपने खेत में अच्छी व्यवस्था और बड़े शेड भी बनवाए। उनके रखरखाव की बेहतर समझ और अच्छी नस्ल के चुनाव के कारण सिर्फ एक साल में भैंसों की संख्या बढ़कर 40 हो गई। व्यवसाय लगातार आगे बढ़ता रहा। लेकिन, अक्षय ने एक महत्वपूर्ण व्यापारिक कदम उठाया। उन्हें समझ आया कि दूध व्यापारी सस्ते में दूध खरीदकर शहर में महंगा बेच रहे हैं। इसलिए उन्होंने खुद ही शहर जाकर सीधे उपभोक्ताओं को दूध बेचने का फैसला किया। उन्होंने दूध की उत्कृष्ट क्वालिटी के दम पर सिरसा शहर में अपना ग्राहक आधार तैयार किया। इससे उन्हें अपने उत्पाद का उचित और बेहतर दाम मिलने लगा।

हर महीने 25 लाख की बंपर कमाई

आज अक्षय का डेयरी फार्म 2017 की शुरुआत से मीलों आगे निकल चुका है। उनके पास कुल 370 पशु हैं। इनमें से 180 भैंसें नियमित रूप से दूध देती हैं। अक्षय हर दिन औसतन 1,300 लीटर दूध बेचते हैं। सिरसा शहर में उनके बड़े सप्लायर ग्राहक हैं। साथ ही वह खुदरा बिक्री भी करते हैं। इस बड़े पैमाने के कारण अक्षय की मासिक कमाई औसतन 25 लाख रुपये हो गई है।

एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टी20 जीत के मामले में दूसरे पायदान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एशिया कप 2025 में सुपर-4 राउंड के आखिरी मैच में श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसी के साथ टीम इंडिया किसी एक टीम के विरुद्ध सर्वाधिक टी20 मुकाबले जीतने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रोचक बात यह है कि भारत और श्रीलंका के बीच पिछले 2 टी20 मैच टाई रहे हैं, जिन्हें भारत ने सुपर ओवर में जीता।

किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक जीत के मामले में पाकिस्तान शीर्ष पर है, जिसने न्यूजीलैंड के विरुद्ध

49 टी20 मुकाबलों में 24 जीत दर्ज की है। वहीं, इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के विरुद्ध 31 टी20 मुकाबलों में 21 मैच जीत चुकी है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। भारतीय टीम 15 के स्कोर पर शुभमन गिल (4) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभिषेक शर्मा के साथ 59 रन की साझेदारी की, जिसने भारत को संभाला। सूर्या 13 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 31 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली। भारतीय टीम 92 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ 66 रन जुटाते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया। तिलक वर्मा 34 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैमसन ने 39 रन की पारी खेली। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवरों के खेल तक 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। पथुम निसांका ने 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जोड़े। इसके बाद खेल सुपर ओवर तक पहुंचा, जिसमें भारत ने आसान जीत दर्ज कर ली।

उन्हें बेंच पर बैठा देना चाहिए, इस स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन से निराश हुए वकार यूनुस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ दो करारी हार के बावजूद पाकिस्तान किसी तरह एशिया कप 2025 के फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहा। हालांकि टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन फॉर्म में चल रही टीम भारत के खिलाफ फाइनल मुकाबले को देखते हुए, पाकिस्तानी खेमे में कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म को लेकर चिंताए हैं। पाकिस्तान के महान खिलाड़ी वकार यूनिस के लिए सैम अयूब ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यूएई में एशिया कप अभियान की शुरुआत से अब तक 6 मैचों में केवल 23 रन बनाए हैं। यूनिस का

साफ कहना है कि अयूब को टीम से बाहर ही रखना चाहिए। सैम ने एशिया कप में पाकिस्तान के लिए 6 मैच खेले हैं, जिनमें से 4 में वह खाता खोले बिना ही आउट हो गए। वकार यूनुस ने सोनी लिव पर कहा, देखिए, मैंने दूसरी बार शून्य पर आउट होने के बाद कहा था, मैंने कहा था कि इस खिलाड़ी को बेंच पर बैठा देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वह प्रतिभाशाली नहीं है, वह बहुत प्रतिभाशाली है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य है। लेकिन कभी-कभी जब चीजें आपके अनुकूल नहीं होती हैं, तो आप बस अपने आप में सिमट जाते हैं, लगातार नीचे गिरते रहते हैं और यही उसके साथ हो रहा है। आज दोपहर जब वह मैदान पर आया तो उसकी बॉडी लैंग्वेज खराब थी। अयूब बल्ले से पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं, लेकिन उन्होंने गेंद से पाकिस्तान को कुछ विकेट दिलाए हैं, इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। लेकिन यूनिस चाहते हैं कि उनकी बल्लेबाजी के आधार पर ही कोई कड़ा फैसला लिया जाए और उन्होंने प्रबंधन से उन्हें फाइनल के लिए बेंच पर बैठाने की मांग की।

एशिया कप फाइनल इंडिया-पाक

दुबई में भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 अब अपने रोमांचक फाइनल मुकाम पर पहुंच चुका है और अब क्रिकेट फैन्स को मिलेगा वह मुकाबला, जो इस टूर्नामेंट का सबसे ज्यादा रोमांचक होने वाला है. भारत बनाम पाकिस्तान एशिया कप 2025 का फाइनल रविवार, 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. यह पहला मौका होगा जब भारत और पाकिस्तान एशिया कप के फाइनल में भिड़ेंगे. ऐसे में यह मैच सिर्फ एक ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि गर्व और प्रतिष्ठा के लिए भी होगा.

भारत और पाकिस्तान का सफर

टीम इंडिया पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम ने दमदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से प्रभावित किया है. दूसरी ओर, पाकिस्तान ने सुपर-4 में बांग्लादेश को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था. सलमान अली आगा की कप्तानी वाली टीम फाइनल में अपनी कमजोरियों को पीछे छोड़कर नया इतिहास रचने उतरेगी.

फाइनल का रोमांच, दुबई की पिच

40 साल से ज्यादा पुराने एशिया कप इतिहास में यह पहला भारत-पाक फाइनल है. दुबई की पिच पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों को मदद मिल सकती है. फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे स्टार खिलाड़ी मैदान पर अपनी छाप छोड़ेंगे.

दोनो टीमों की संभावित प्लेइंग 11

भारत : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह.

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी.

बिग बैश लीग में खेलेंगे अश्विन

इस टीम ने कर लिया साइन; बन जाएंगे पहले भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब बिग बैश लीग में खेलते दिखेंगे. बीबीएल टीम सिडनी थंडर ने अश्विन को साइन कर लिया है. अश्विन ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेले वाले पहले भारतीय क्रिकेट होंगे. वह बीबीएल में डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर के लिए खेलते दिखेंगे. इसी साल इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले 39 साल के रविचंद्रन अश्विन 14 दिसंबर से 25 जनवरी तक होने वाले बीबीएल के दूसरे हाफ में उपलब्ध होंगे. यानी वह पूरे टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे. अश्विन टूर्नामेंट के बीच में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे. अश्विन के हवाले से कहा, सिडनी थंडर मेरे इस्तेमाल के बारे में स्पष्ट थे. उनके साथ मेरी बातचीत बहुत अच्छी रही और हम मेरी भूमिका को लेकर पूरी तरह सहमत हैं. मुझे डेव (डेविड) वॉर्नर का खेल बहुत पसंद है. मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं. सिडनी थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने इसे बीबीएल के इतिहास में सबसे बड़ा करार बताया.

चेस

ग्लोबल शतरंज लीग में इस टीम से खेलेंगे गुकेश और एरिगैसी, 13 दिसंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई , एजेंसी। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर अगामी ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में पीबीजी अलास्का नाइट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पीबीजी अलास्का नाइट्स फ्रेंचाइजी इस लीग के तीसरे सत्र के लिए शुक्रवार को आयोजित खिलाड़ियों के ड्राफ्ट से भारत के इन दोनों शीर्ष खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने में सफल रही। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को अपने साथ जोड़ा। पीबीजी अलास्का नाइट्स ने अन्य फ्रेंचाइजी टीमों को पछाड़कर गुकेश को अपनी टीम में शामिल किया। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद गंगा ग्रैंडमास्टर्स के साथ बने रहे। विश्व के पांचवें नंबर के एरिगैसी के लिए तीन टीमों ने कड़ी बोली लगाई लेकिन अंत में पीबीजी अलास्का नाइट्स ने बाजी मारी। अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स द्वारा चुने गये। गंगा ग्रैंडमास्टर्स ने 20 वर्षीय विंसेंट कीमर के साथ अपनी टीम को और मजबूत किया।

एशिया कप फाइनल से पहले सूर्या को गावस्कर से मिली खास सलाह

बताया पाक के खिलाफ कैसा हो गेम प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुनील गावस्कर का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ कठिन मैच ने भारत को संयम और धैर्य दिखाने का मौका दिया और यह फाइनल से पहले टीम के लिए लाभदायक होगा. अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाज़ी ने सुपर ओवर में जीत दिलाई, जिससे भारत का आत्मविश्वास और बढ़ा है.

एशिया कप फाइनल से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है कि पाकिस्तान के

खिलाफ मैदान पर उतरने के बाद अपनी नैचुरल गेम खेलने से पहले कुछ गेंदें लेकर पिच की स्थिति को समझें. अब तक टूर्नामेंट में 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने 5 पारियों में केवल 71 रन बनाए हैं. उनका औसत 23.66 और स्ट्राइक रेट 107.57 रहा है. उनका स्कोर रहा- 7 नॉटआउट, 47 नॉटआउट, 0, 5 और 12. एशिया कप का यह प्रदर्शन आईपीएल 2025 से बिल्कुल अलग रहा, जहां उन्होंने 717 रन 65.18 की औसत और 167.91 की स्ट्राइक रेट से बनाए थे. शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सूर्यकुमार ने 13 गेंदों पर 12 रन बनाए और फिर वानिंदु हसरंगा का शिकार बने.

एशिया कप

मैच हारा, मगर इतिहास रच गई श्रीलंका

ओपनर पथुम निसांका-कुसल परेरा की जोड़ी ने किया धमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एशिया कप 2025 के अंतिम सुपर 4 मुकाबले में श्रीलंका को सुपर ओवर में शिकस्त दी। इस मुकाबले में पथुम निसांका और कुसल परेरा की जोड़ी ने टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली और केएल राहुल के नाम था, जिन्होंने 8 सितंबर 2022 को अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े थे। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में 100+ साझेदारी के मामले में तीसरी जोड़ी पाकिस्तान के उमर अकमल और शोएब मलिक की है, जिसने 29 फरवरी 2016 को यूएई के खिलाफ चौथे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी की थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 61 रन की पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। इस टीम के लिए पथुम निसांका ने 58 गेंदों में 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन की पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जुटाए। मैच सुपर ओवर तक पहुंचा, जहां श्रीलंकाई टीम सिर्फ 2 रन बना सकी और भारत ने पहली ही गेंद पर जीत दर्ज की। अब रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाना है। टीम इंडिया इस संस्करण में दो बार पाकिस्तान को शिकस्त दे चुकी है। ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि फाइनल में भी भारत का पलड़ा भारी रहेगा। भारत-पाकिस्तान के बीच टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में पहली बार खिताबी मैच खेला जा रहा है।

क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने मुझे बचपन में प्रेरित किया: उसैन बोल्ट

मुंबई, एजेंसी। ओलंपिक में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगाने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। जमनाबाई नरसी परिसर में एक फायरसाइड चैट में जमैका के इस धावक ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को देखना, उनके काम करने का तरीका, खुद को आगे बढ़ाने का तरीका और खुद को ढालने का तरीका, इन सबने मुझे छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा, भारत में होना एक अविश्वसनीय अनुभव है। इतने सारे उत्साही प्रशंसकों से मिलना मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और क्यों वे दुनिया भर के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के उस विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, यह कड़ी मेहनत जितना ही सरल है, आप समझ रहे हैं न? इसमें खेल के प्रति कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड बहुत पसंद है, इसलिए यह एक ऐसी चीज है, जिसे मैं बचपन से ही पसंद करता रहा हूं और मैंने इस पर बहुत मेहनत की है।

'मैं मुंडी काट दूंगा'

युवराज सिंह के पिता योगराज ने भारत-पाकिस्तान फाइनल से पहले हारिस और फरहान को दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान की टीम पहुंच चुकी है और इस महामुकाबले से पहले कई कंट्रोवर्सी सामने आ चुकी हैं। एशिया कप में फाइनल से पहले भारत-पाकिस्तान के बीच 2 मैच हो चुके हैं और दोनों में भारत को जीत मिली थी, लेकिन दोनों मैचों में कुछ ना कुछ ऐसा हुआ जिसने जमकर सुर्खियां बटोरी। भारत-पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों का पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाना और सूर्यकुमार यादव के बयान ने सुर्खियां बटोरी तो वहीं सुपर 4 के मुकाबले में हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के गेस्चर व बातों ने सबका ध्यान खींचा। सुपर 4 मुकाबले में हारिस राऊफ ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया था जबकि फरहान ने अपनी अर्धशतकीय पारी के बाद गन सेलीब्रेशन किया था।

योगराज सिंह ने दिया विवादित बयान- सुपर 4 मैच में हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को परेशान करने की कोशिश की तो भारतीय ओपनरों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को बल्ले से करारा जवाब दिया। रऊफ काफी आक्रामक थे लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने एक विवादित बयान देकर इस मामले को और बढ़ा दिया है। दोनों देशों के बीच फाइनल मुकाबले से पहले ये बयान काफी चर्चा में है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ रहेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सभी को याद दिलाया कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के बावजूद दोनों तरफ के खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए और हमें उसी तरह से प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है जो क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।

स्पोर्ट्स नाउ पर योगराज सिंह ने कहा कि मैं हमेशा अपने देश के साथ रहूंगा। मैं इस देश का नागरिक हूं। अगर कोई मेरे देश के खिलाफ कुछ कहता है, तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं मुंडी काट दूंगा।

विक्रांत मैसी ने श्रीश्री रविशंकर की फिल्म पर दिया अपडेट

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड पाने के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में हैं। इस उपलब्धि से वह काफी खुश हैं। लेकिन असल में उनके लिए सफलता के मायने बिल्कुल अलग हैं। श्रीश्री रविशंकर के रोल को निभाने के बाद वह कैसा फील कर रहे हैं, इस बात का भी जिक्र विक्रांत मैसी ने किया है।

विक्रांत के लिए बदल गए सफलता के मायने दिल्ली में एएनआई से बातचीत करते हुए विक्रांत कहते हैं, '20 साल पहले जब मैंने शुरुआत की थी तो सफलता की परिभाषा अलग थी। आज मेरे लिए इसका मतलब है वो जिंदगी जीना जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इसका मतलब यह नहीं कि अवॉर्ड जीत जाऊं या मशहूर हो जाऊं। बस वो जिंदगी जीनी है जो हमेशा से जीना चाहता था। परिवार साथ हो और चैन की नींद सो सकूं। अपने बच्चे की परवरिश कर पाऊं। दुनिया घूमने जाऊं। अपनी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को पूरा कर कर सकूं। यही सफलता है।'

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक को लेकर क्या कहा

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को भी विक्रांत शेयर करते हैं। वह कहते हैं, 'यह एक बहुत ही खास फिल्म है। मैं गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी का रोल निभा रहा हूं। यह फिल्म पूरी तरह से दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में सेट है और 52 वर्षों तक चले गृहयुद्ध पर बेस्ड है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे गुरुदेव रविशंकर जी ने अहिंसा और क्षमा के भारतीय मूल्यों के माध्यम से वहां शांति की शुरुआत की। इस फिल्म का मकसद लोगों को सशक्त बनाना और गुरुदेव के योगदान पर चर्चा करना है। इस रोल को लेकर बहुत दबाव में हूं। अभी तक निर्माता और निर्देशक की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है।'

क्या वह अपना टॉक शो लॉन्च कर रही हैं कावेरी कपूर?

कावेरी कपूर ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट से अपने फॉलोअर्स को अटकलों के भंवर में डाल दिया है। इस दिलचस्प पोस्ट में वह एक आकर्षक, गुलाबी स्टूडियो जैसे सेटअप में बैठी दिख रही हैं, जहाँ पीछे वर्बल वॉमिट नाम की एक नीयॉन लाइट जल रही है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बस लिखा, कमिंग सुन... कैप्शन दिया, जिसने उनके अगले करियर स्टेप को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी है। यह सेटअप किसी साधारण सोशल मीडिया कंटेंट से कहीं ज़्यादा प्रोफेशनल दिखता है, जिससे अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि यह या तो एक टॉक शो होगा या फिर एक पॉडकास्ट सीरीज़। विभिन्न विषयों पर बेबाकी से बोलने की उनकी क्षमता और उनके स्वाभाविक आकर्षण से यह संकेत देते हैं कि इस प्रोजेक्ट का जो भी फ़ॉर्मेट हो, वह आज की युवा पीढ़ी से निश्चित रूप से जुड़ाव बना पाएगा, जो आज की क्यूरेटेड दुनिया में असलियत की तलाश कर रही है।

कावेरी ने खुद को इंडस्ट्री की सिर्फ एक और उभरती हस्ती से कहीं बढ़कर साबित किया है। वह एक ऐसी आवाज़ बन चुकी हैं, जिसे लोग सुनना चाहते हैं। जब वो सामने बैठ कर सवाल पूछेंगी और गहरी बातचीत का मंच देंगी, तो वर्बल वॉमिट एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बन सकता है जहाँ से ईमानदार और विचारोत्तेजक संवाद शुरू होंगे। चाहे वो किसी हाई-प्रोफ़ाइल मेहमान से तीखे सवाल करें या ट्रेंडिंग टॉपिक्स पर अपनी बेबाक राय साझा करें—एक बात तो तय है- यह ल्द्भ्इ ́ स्टार हमें वह अनफ़िल्टर्ड कॉन्टेंट देने वाली है, जिसकी हमें ज़रूरत थी, लेकिन शायद हमें इसका अंदाज़ा भी नहीं था।

जहाँ उनका अगला प्रोजेक्ट सुर्ख़ियाँ बटोर रहा है, वहीं कावेरी इन दिनों शेखर कपूर की मासूम 2 में व्यस्त हैं और साथ ही उनका अगला सिंगल, जिसे नॉटी बॉय ने प्रोड्यूस किया है, रिलीज़ के लिए तैयार है। कावेरी की छवि एक ऐसी युवा आवाज़ बन चुकी है जो बेबाक और बिना फ़िल्टर के अपनी बात रखती है। ऐसे में वर्बल वॉमिट उनके लिए एक परफ़ेक्ट प्लेटफ़ॉर्म हो सकता है, जहाँ वे अपनी पीढ़ी के अहम मुद्दों पर गहराई से बात कर सकें। चाहे यह एक स्टाइलिश टॉक शो के रूप में सामने आए या फिर एक निजी और ईमानदार पॉडकास्ट के रूप में, यह प्रोजेक्ट उन बेबाक और सच्ची बातचीतों का वादा करता है जो आज के समय में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए मीडिया परिदृश्य में दुर्लभ होती जा रही है।

दिलजीत के एमी नॉमिनेशन पर डायरेक्टर इम्तियाज ने की पोस्ट

फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' और एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की अलग-अलग कैटेगरी में हुआ है। इस खबर को सुनकर दिलजीत के बाद डायरेक्टर इम्तियाज अली और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। दिलजीत दोसांझ की करियर में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगिरी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए उनका नॉमिनेशन हुआ है। दिलजीत की खुशी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के इम्तियाज अली और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी शामिल हुए। दोनों ने दिलजीत के नॉमिनेशन की बात को अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। सिंगर, एक्टर दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में लीड रोल किया था, फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली हैं। इम्तियाज ने दिलजीत के इंटरेशनल एमी नॉमिनेशल वाले पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किया है। बताते चलें कि फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए दिलजीत दोसांझा का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगरी में हुआ है। वहीं इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी सीरीज कैटेगरी में भी जगह मिली है।

साई पल्लवी को मिलेगा कलैमामणि अवॉर्ड

तमिलनाडु सरकार ने कला और संस्कृति में योगदान देने के लिए भरतियार, एमएस सुब्बुलक्ष्मी और कलैमामणि पुरस्कारों की घोषणा की। ये अवॉर्ड साल 2021, 2022 और 2023 के लिए कलाकारों को दिए जाएंगे। इसमें सिंगर केजे येसुदास को संगीत में उनके योगदान के लिए एमएस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं अभिनेत्री साई पल्लवी ने कलैमामणि पुरस्कार अपने नाम किया।

साई पल्लवी और एसजे सूर्या को मिला कलैमामणि पुरस्कार

साल 2021 के लिए अभिनेत्री साई पल्लवी, अभिनेता एसजे सूर्या, निर्देशक लिंगुसामी, सेट डिजाइनर एम जयकुमार और स्टंट कोरियोग्राफर सुपर सुब्बारायण को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई। वहीं टेलीविजन अभिनेता पीके कमलेश को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

संगीतकार अनिरुद्ध को भी मिलेगा कलैमामणि

जबकि साल 2023 के लिए अभिनेता मणिकंदन, जॉर्ज मेरीन, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर, गायिका श्वेता मोहन, कोरियोग्राफर सैंडी उर्फ संतोषकुमार, जनसंपर्क अधिकारी और निक्किल मुरुकन को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में टेलीविजन अभिनेता एनपी उमाशंकर बाबू और अजगन तमिजमनी को भी कलैमामणि पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

अक्तूबर में दिए जाएंगे अवॉर्ड

ये पुरस्कार तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति निदेशालय की संस्था तमिलनाडु इयाल इसाई नाटक मंद्रम द्वारा प्रदान किए जाते हैं। आज इन पुरस्कारों की घोषणा हुई है। ये पुरस्कार अक्तूबर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने एक बयान में बताया कि प्रत्येक विजेता कलाकार को तीन स्वर्ण पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

हर जगह होती है राजनीति, इसके लिए आपको खुद को तैयार करना होगा

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आईं हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

हिम्मत का मतलब निडरता नहीं...

जब भारत में मी टू आंदोलन शुरू हुआ था तब मैं उन चुनिंदा कलाकारों में थी जिन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उस समय मैं एक टीवी शो की जज थी और 18 एपिसोड शूट कर चुकी थी। जैसे ही मैंने आवाज उठाई मुझे बहिष्कृत कर दिया गया। उस शो से मेरी जगह चली गई। मुझे कई साल कोई बड़ा काम नहीं मिला, लेकिन यह सब करना जरूरी था। मेरी आवाज ने उस चर्चा को जन्म दिया, जो लंबे समय से जरूरी थी। इसके बाद महिलाओं के लिए काम करने की जगहें अधिक सुरक्षित और बेहतर बनीं। मेरी मेहनत और संघर्ष का महत्व साफ हो गया।

मेरी आवाज ने बदलाव की शुरुआत की

अपने कॉलेज के दिनों का एक अनुभव साझा करूंगी। मैं एक बस में सफर कर रही थी। उसी बस में एक आदिवासी जोड़ा भी सफर कर रहा था। कंडक्टर ने उन्हें धोखा देकर ज्यादा किराया वसूलने की कोशिश की। मैंने बीच में दखल दिया तो उसने मुझे धमकाया कि बीच हाईवे पर ही उतार देगा। उस समय मैंने हिम्मत जुटाकर उसे बेवकूफ बनाया कि मैं एक पत्रकार हूं और बड़े लोगों से मेरा संपर्क है। आखिरकार मामला सुलझ गया। उस दिन मुझे यह समझ आया कि हिम्मत का मतलब निडर होना नहीं, बल्कि सही समय पर सही बात के लिए खड़ा होना है। खासतौर पर तब, जब किसी और की इज्जत दांव पर लगी हो।

साहस रोजाना की मेहनत में है

साहस का मतलब है हर दिन अपनी सच्चाई के साथ खड़ा रहना, चाहे वह मुश्किल या असुविधाजनक ही क्यों न हो। हर दिन खुद को दिखाना, मेहनत करना और डटे रहना..यही मेरी प्रेरणा है। मुझे खुशी है कि मेरा काम, मेरे कई गाने और प्रदर्शन समाज में विचारों को जागृत करने का जरिया बने। मुझे क्या बेचेगा रुपैया ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए सशक्तिकरण का संदेश दिया। रंगाबती ने ओडिशा की लोककला को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। बेखौफ ने महिलाओं को अपनी आजादी और जगह फिर से हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मेरे लाइव शो ने यह दिखाया कि संगीत, नृत्य और कहानी के माध्यम से समाज में संवाद और बदलाव संभव है। मेरे लिए सच्ची खुशी केवल गायिका बनने में नहीं, बल्कि एक कलाकार बनने में है, जिसकी कला समाज के विचारों को चुनौती देती है और समय की झलक दिखाती है। मैंने तीन ओरिजिनल लाइव फॉर्मेट्स बनाए हैं – लाल परी मस्तानी, और सोना तराशा। मैंने ये तय किया कि बॉलीवुड पर निर्भर न रहकर अपनी अलग इंडिपेंडेंट राह बनाऊं। मैंने देखा है कि संगीत, डांस और कहानी कहने का तरीका सोच बदल सकता है और नए संवाद खोल सकता है। भारत में औरतों को हमेशा सिर्फ खूबसूरत परफॉर्मर के रूप में देखा गया है, कभी प्रोड्यूसर की कुर्सी पर नहीं। मैं अपने इन शोज के जरिए ये कर रही हूं और दूसरों के लिए भी नए मौके बना रही हूं।

अपनी आवाज पर भरोसा रखें

अंत में महिलाओं को बस यही संदेश देना चाहूंगी कि सही समय का इंतजार मत करें। आपकी आवाज आज भी महत्वपूर्ण है। हां, प्रतिरोध आएगा और हां, आपको कुछ खोना पड़ सकता है, लेकिन चुप रहना लंबे समय में कहीं ज्यादा महंगा है। अपने भीतर की आवाज पर भरोसा रखें और लगातार प्रयास करते रहें। हर बार जब आप खड़े होते हैं, आप दूसरों के लिए रास्ता आसान बनाते हैं। यही असली बदलाव है।